हरिभूमि
रायपुर भूमि

लंबी दूरी के लिए संचालित बसें यात्री गाड़ी न होकर बन गईं मालवाहक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लंबी दूरी के लिए संचालित बसों के ऑपरेटर यात्री परिवहन करने से ज्यादा ध्यान माल परिवहन करने पर दे रहे हैं। इसका कराण पिछले दिनों डीजल की कीमत बढ़ने के बाद बस ऑपरेटर डीजल की कीमतों का अतिरिक्त बोझ कम करने माल परिवहन करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बस संचालकों की इस मनमानी पर परिवहन विभाग के साथ ट्रैफिक पुलिस ध्यान नहीं दे रही।

यात्री बसों में माल परिवहन करने पर पूरी तरह से रोक है। बसों में यात्री के ▶▶|शेष पेज 13 पर

डीजल का खर्च निकालने माल परिवहन

लोकल बस ऑपरेटरों से बात करने पर उन लोगों ने बताया कि टूरिस्ट परमिट लेकर यात्री बस चलाने वाले लंबी दूरी के बस ऑपरेटर डीजल का अतिरिक्त खर्च निकालने के साथ ही अतिक्त कमाई करने बसों में माल लोड कर रहे हैं। बस का जितना यात्री किराया रहता है, माल लोड करने पर बस ऑपरेटरों को यात्री किराया से ज्यादा भाड़ा ▶▶|शेष पेज 13 पर

कार्रवाई नहीं होने से हौसले बुलंद

बसों में ज्यादा सवारी से लेकर बसों का माल परिवहन वाहन के रूप में उपयोग न हो, इसके लिए परिवहन विभाग की उड़नदस्ता टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस बसों की निगरानी करती है। बावजूद इसके बस ऑपरेटर परिवहन तथा ट्रैफिक पुलिस की नाक ▶▶|शेष पेज 13 पर

बस से चिल्हर नोटों का जखीरा पकड़ा जा चुका है

बसों की छतों में क्या माल परिवहन कर ले जाया जा रहा है, इसकी जानकारी बस मालिक तक को नहीं होती। ऐसे ही एक प्रकरण में राजेंद्र नगर थाने की पुलिस ने रायपुर से इंदौर मार्ग पर संचालित बस में 10 तथा 20 रुपए के चिल्हर नोट का जखीरा पकड़ा था। पूछताछ करने पर ट्रैवल्स एजेंसी का मैनेजर चिल्हर नोट बुक कराने वाले ▶▶|शेष पेज 13 पर

अफसर बोले तगड़ी कार्रवाई करेंगे

लंबी दूरी के लिए संचालित यात्री बसों में माल परिवहन करने वाले बस ऑपरेटरों के खिलाफ अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने तगड़ी कार्रवाई करने की बात कहते हुए भारी भरकम जुर्माना वसूलने की चेतावनी दी है। साथ ही ऐसे बस ऑपरेटरों के खिलाफ परमिट शर्तों के ▶▶|शेष पेज 13 पर

सबसे ज्यादा इस रूट पर माल परिवहन

लंबी दूरी के लिए जो बसें संचालित हो रही हैं, उनमें सबसे ज्यादा माल परिवहन रायपुर से जशपुर, ओड़िशा, मध्यप्रदेश रूट पर संचालित बसों में किया जाता है। इंदौर रूट की बसों में जितनी सवारी नहीं होती, उससे ज्यादा उन बसों में माल लोड कर ले जाया जाता है। ऐसे माल लदी बसों की बार्डर में जांच नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

खबर संक्षेप

छह साल से गुम बालक मिला बेंगलुरु में

रायपुर। खम्हारडीह थाना क्षेत्र में छह वर्ष से गुम बालक की पुलिस ने पतासाजी कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर खोई मुस्कान लौटाई है। शक्ति नगर निवासी दीपक सोना को पुलिस ने तकनीकी जानकारी जुटाकर कर्नाटका, बेंगलुरु से बरामद कर उसके पिता गुल्ली सोना के सुपुर्द किया है। पुलिस ने थाने में जब बच्चे की अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की थी, उस समय उसकी उम्र महज पांच साल की थी। पुलिस सीडब्लूसी की मदद से बच्चे की काउंसिलिंग कर उसके गुम होने के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

शराब बेचते पकड़ा गया कोचिया

रायपुर। राजेंद्र नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक तस्कर को शराब बेचते गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 34 पौवा गोवा तथा दो बोतल अंग्रेजी शराब जब्ती की है। शराब की अवैध बिक्री करते पुलिस ने सूरज कश्यप को गिरफ्तार किया है। सूरज अमलीडीह नाला के पास खड़े होकर शराब की अवैध बिक्री कर रहा था।

हत्या की कोशिश, चार को पांच-पांच वर्ष कैद

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व पानी भरने के विवाद पर लोगों की हत्या की कोशिश करने के आरोप में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जितेंद्र प्रधान की कोर्ट ने चार आरोपियों को पांच-पांच वर्ष कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। अतिरिक्त लोक अभियोजक रश्मि रानी के अनुसार, कोर्ट ने लखन बैरागी, रोहित बैरागी, विनोद बैरागी और दीप बैरागी को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है।

एसीबी, ईओडब्लू ने पेश किया चालान, अलग-अलग मद में भुगतान कर हेराफेरी

182 करोड़ का ओवर टाइम घोटाला, पांच हजार पन्नों की चार्जशीट पेश, दर्जनभर नामजद आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिमेटड में मैनपावर ओवरटाइम भुगतान घोटाला मामले में ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने सोमवार को अनवर ढेबर सहित एक दर्जन आरोपियों के खिलाफ पांच हजार पन्नों का कोर्ट में चालान पेश किया है। चालान स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया है।ओवर टाइम भुगतान, बोनस के साथ अतिरिक्त चार कार्य दिवस भुगतान में कुल 182.98 करोड़ रुपए की गड़बड़ी के आरोप में चालान पेश किया गया है।

जांच एजेंसी ने कोर्ट में चालान पेश करते हुए बताया कि शराब दुकान में काम करने वाले कर्मियों के नाम पर वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच गड़बड़ी की गई है। फर्जी वाउचर बनाकर मैनपावर एजेंसियों को कर्मचारियों के नाम पर ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार दिन कार्य भुगतान और सर्विस चार्ज के नाम पर भारी रकम जारी की गई। उक्त राशि वास्तविक कर्मचारियों तक नहीं पहुंची, बल्कि कमीशनखोरी और सिंडिकेट के आर्थिक लाभ के लिए इस्तेमाल की गई। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया है कि विवेचना में नए साक्ष्य मिलने पर आगे और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस तरह किया गया भुगतान

जांच एजेंसी के मुताबिक अलग-अलग मदों में अतिरिक्त भुगतान किया गया वह इस प्रकार से है -

- ओवरटाइम भुगतान – लगभग 101.20 करोड़ रुपए
- बोनस भुगतान – लगभग 12.21 करोड़ रुपए
- अतिरिक्त 4 दिवस कार्य भुगतान – लगभग 54.46 करोड़ रुपए
- इन मदों पर सर्विस चार्ज – लगभग 15.11 करोड़ रुपए

इस तरह कुल लगभग 182.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया

इन एजेंसियों की जांच के बाद गड़बड़ी सामने आई

विवेचना में सुमीत फैसिलिटीज, प्राइमवन वर्कफोर्स, ए-टू-जेड इन्फ्रासर्विसेस, अलर्ट कमांडोज और ईगल इंटर सॉल्यूशन्स सहित अन्य मैनपावर एजेंसियों की जांच करने पर घोटाला में इनकी भूमिका सामने आई है। जांच में दस्तावेजों, कंपनी प्रतिनिधियों, सीएसएमसीएल अधिकारियों, दुकान स्तर के कर्मचारियों और नगद लेनदेन से जुड़े गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इनसे यह तथ्य सामने आया कि कर्मचारियों के नाम पर निकाली गई राशि का बड़ा हिस्सा कथित कमीशन व्यवस्था में खपाया गया।

इनके खिलाफ कोर्ट में पेश किया गया चालान

एजेंसी ने जिन 12 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, उनमें शराब घोटाले का किंग पिन अनवर ढेबर के साथ नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत दरंदले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी, संजीव जैन के नाम शामिल हैं।

28.80 लाख कैश जब्त होने पर खुली घोटाले की पोल

शराब घोटाले की जांच कर रही ईडी की टीम ने 29 नवंबर 2023 को 28.80 लाख रुपए कैश जब्त किया था। कैश मिलने के संबंध में पड़ताल करने के दौरान ओवर टाइम घोटाले की जानकारी मिली। इसके बाद ईडी ने ईओडब्लू, एसीबी को प्रतिवेदन भेज कर घोटाले की जानकारी दी। एसीबी, ईओडब्लू ने जांच को आगे बढ़ाते हुए जानकारी जुटाई तब उक्त रकम ईगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड और अलर्ट कमांडोज प्राइवेट लिमिटेड के बिल पारित कराने के एवज में कमीशन के रूप में नवीन प्रताप सिंह तोमर तक पहुंचाई जानी थी। इस रकम की सुपुर्दगी में तिजऊराम निर्मलकर और अभिषेक सिंह की भूमिका भी सामने आई है।

सिस्टम कमजोर होने से चढ़ेगा पारा, दिन से ज्यादा रात में सताएगी उमस-गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मौसम में उलट-पलट करने वाला सिस्टम अब कमजोर हो गया है, जिससे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने की गुंजाइश बन रही है। तापमान चढ़ने के बाद भी आने वाले दिनों में वातावरण में मौजूद नमी के कारण ग्रीष्मलहर की संभावना कम है। आने वाले दिनों में आर्द्रता की मात्रा और बढ़ने से दिन के बजाए रात में असहजता अधिक होगी। इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 के बाद केरल पहुंचने की संभावना है।

काफी दिनों तक प्रदेश की गर्मी को रोककर रखने वाला सिस्टम आगे बढ़ने के साथ कमजोर हो गया है। इससे दोपहर बाद बनने वाले अंधड़ और बारिश की गतिविधि कम हो गई है। ▶▶|शेष पेज 13 पर

दूसरे सप्ताह में मानसून की उम्मीद

मानसून अगर 26 मई तक केरल पहुंचता है और उसकी चाल सामान्य होती है, तो इसके पंद्रह दिन बाद यानी जून के दूसरे सप्ताह में छत्तीसगढ़ तक पहुंचने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में मानसून के आने की सामान्य तिथि 13 जून निर्धारित है। पिछली बार दक्षिण-पश्चिम मानूसन 27 मई को दंतेवाड़ा के जरिए छत्तीसगढ़ पहुंचा था। इसके बाद उसे पूरे छत्तीसगढ़ में सक्रिय होने में काफी वक्त लगा।

सफाई व्यवस्था चौपट, पांचवे दिन भी डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वेतन वृद्धि, पीएफ और ड्यूटी की टाइमिंग सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर रामकी के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर में पांचवे दिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य ठप रहा। गोकुलनगर और दलदल सिवनी सेंटर में 70 फीसदी सफाई वाहन डिपो सुबह से लेकर देर शाम तक डिपो में खड़े रहे। महज 30 फीसदी गाड़ियों को ही वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कुछ इलाकों में कचरा कलेक्शन के लिए भेजा गया। लगातार पांच दिनों तक घरों से कचरा नहीं उठने से लोग परेशान रहे। इधर ▶▶|शेष पेज 13 पर

- 70 फीसदी सफाई वाहन गोकुलनगर, सड्डु सेंटर से नहीं निकले, घरों से नहीं उठा कचरा, लोग परेशान
- रामकी करेगी नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती, ड्राइवर हेल्पर भर्ती के लिए विज्ञापन के पोस्टर जारी
- स्वच्छता सर्वेक्षण के समय फजीहत, निगम प्रशासन बेबस

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी मांग के बीच सरकार अलर्ट, लोगों से अपील अनावश्यक भंडारण न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर राज्य सरकार ने स्थिति पूरी तरह सामान्य बताते हुए कहा है कि प्रदेश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य में वर्तमान में 3 करोड़ 28 लाख 68 हजार लीटर पेट्रोल तथा 7 करोड़ 75 लाख 71 हजार लीटर डीजल उपलब्ध है। खाद्य विभाग के संचालक ने सोमवार को सभी ऑयल कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन पेट्रोल पंपों तक जहां स्टॉक की कमी की स्थिति बन रही हो, वहां प्राथमिकता से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसी ▶▶|शेष पेज 13 पर

- राज्य में 3.29 करोड़ लीटर पेट्रोल तथा 7.76 करोड़ लीटर डीजल उपलब्ध

ओवरब्रिज के पूरा होने के बाद चल रहा है सर्विस रोड का काम

कचना ओवरब्रिज के नए बने सर्विस रोड पर ही कर दिया नालियों का कचरा डंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में सफाई व्यवस्था का कितना बुरा हाल है, इसका बड़ा उदाहरण सोमवार को तब देखने को मिला जब कचना के ओवरब्रिज के नए सिरे से तैयार किए गए सर्विस रोड पर निगम के अमले ने नालियों का कचरा निकालकर डंप कर दिया। इसके लिए मना करने पर निगम का अमला माना ही नहीं। सर्विस रोड को एक दिन पहले ही तैयार किया गया है।

कचना का ओवरब्रिज तैयार करने का काम अंतिम चरण में चल रहा है। इसका डिप्टी सीएम अरुण साव ने कुछ दिन पहले ही निरीक्षण किया है। इसको जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। ओवरब्रिज में तो डामरीकरण का

काम पूरा करके इसको पूरा कर दिया गया है। अब इसमें बिजली की व्यवस्था की जा रही है। इसी के साथ सर्विस रोड का काम भी किया जा रहा है। पहले ओवरब्रिज को ट्रायल के तौर पर खोलने की योजना थी, ताकि उसके खुलने पर सर्विस रोड का काम करने में आसानी हो, लेकिन इसको ट्रायल के लिए खोलने की अनुमति न मिलने पर अब सर्विस रोड का काम रात में किया जा रहा है। सर्विस रोड का भी डामरीकरण करके इसको नया किया जा रहा है। एक दिन पहले ही जिस सर्विस रोड का काम पूरा किया था, उस नए रोड पर ही नगर निगम के अमले ने सोमवार को नालियों का का निकालकर डंप कर दिया है। इसके कारण जहां आवागमन में परेशानी हो रही है, वहां नया बना रोड भी खराब हो गया है।

छह में से पांच रजिस्टर गायब, इनमें दर्ज था संग्रहालय में रखी दुर्लभ वस्तुओं का ब्योरा

संग्रहालय से गायब रिकार्ड की प्रतियां मप्र से लाई जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

150 साल पुराने महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय के अहम दस्तावेज दीमक खा गए हैं। पिछले सप्ताह संग्रहालय का डबल लॉक कमरा खोले जाने पर पता चला कि छह में से पांच एक्सेशन रजिस्टर नष्ट हो चुके हैं। संग्रहालयों और पुस्तकालयों में इस्तेमाल होने वाली आधिकारिक लॉगबुक को एक्सेशन रजिस्टर कहा जाता है। जानकारों के मुताबिक, किसी भी वस्तु के संग्रहालय में आने पर उसे एक विशिष्ट एक्सेशन नंबर दिया जाता है, जिसके माध्यम से उसकी पहचान की जाती है। इसका जिक्र लॉगबुक अथवा एक्सेशन रजिस्टर में होता है। इसके बगैर यह बता पाना मुश्किल होता है कि संग्रहालय में कौन-कौन सी वस्तुएं आधिकारिक रुप ▶▶|शेष पेज 13 पर

1975 में हुई थी हेरफेर

यह पहली बार नहीं है जब यहां किसी तरह की गड़बड़ी सामने आई हो। 1975 में संग्रहालय के संग्रहाध्यक्ष को पांच साल की सजा सुनाई गई थी। उन पर प्राचीन सिक्कों की हेराफेरी करने के आरोप थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने कुशाणवंश, महेंद्र दत्ता काल और गोविंदचंद्र के काल के सिक्कों को बदल दिया था। अंदरुनी सूत्रों का कहना है कि बीते कुछ सालों में संग्रहालय से अन्य धरोधरों के लापता होने की आशंका है।

मंजुश्री की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा व प्रागैतिहासिक औजार

संग्रहालय में प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों से लेकर आदिवासी संस्कृति से जुड़ी दुर्लभ वस्तुओं तक 15 हजार से अधिक पुरावशेष संरक्षित हैं। इनमें विशेष महत्व के प्राचीन प्रतिमाएं, ताम्रयुगीन उपकरण, विभिन्न कालखंडों के सिक्के, ताम्रपत्र और शिलालेख भी शामिल हैं। सिरपुर, मल्हार और महानदी घाटी क्षेत्र से प्राप्त पुरातात्विक सामग्री भी यहां हैं। यहां रखी हुई सिरपुर से मिली मंजुश्री की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा बौद्ध कला की उत्कृष्ट मिसाल मानी जाती है। यह प्रतिमा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान हासिल कर चुकी है। विदेशों में आयोजित होने वाले भारत महोत्सव की प्रदर्शनियों में इसे प्रदर्शित किया जाता रहा है।

शासन को दी जानकारी, भोपाल से लाएंगे कॉपी

संग्रहालय के संयुक्त संचालक डॉ. जेआर भगत ने कहा, समय-समय पर तत्कालीन संचालकों द्वारा शासन के आदेशों की अवहेलना करते हुए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जाती रही है। वस्तुओं के टूट-फूट अथवा उनके गुम होने की संभावना से भी शासन को सूचित कर दिया गया है। एक्सेशन रजिस्टर की एक प्रति भोपाल के पुरातत्व अभिलेखागार और संग्रहालय में है। राज्य विभाजन के 26 साल बाद भी यह प्रति रायपुर नहीं लाई जा सकी है। इसकी डिजिटल प्रति अथवा छायाप्रति प्राप्त करने के लिए मेरे द्वारा शासन को खत लिखा गया है।

60 सरपंचों सहित 250 से अधिक दिग्गज जनप्रतिनिधियों ने थामा भाजपा का दामन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसीवां

धरसीवां विधानसभा क्षेत्र में एक ऐसा ऐतिहासिक राजनीतिक उलटफेर हुआ है, जिसने विपक्षी दलों की जड़ों को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है। क्षेत्र के विधायक अनुज शर्मा के जनसेवा और समर्पण का ऐसा जबरदस्त असर देखने को मिला है कि विपक्षी दलों के खेमे में सन्नाटा पसर गया है। एक बेहद भव्य और गरिमापूर्ण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के 60 सम्मानीय सरपंचों, जनपद सदस्यों और पंचों समेत 250 से अधिक कद्दावर एवं सक्रिय जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने विपक्षी दलों की नीतियों को सिरे से खारिज करते हुए भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इस महा-दलबदल के गवाह खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और भाजपा संगठन के कई शीर्ष दिग्गज नेता बने। इतनी भारी संख्या में जमीन से जुड़े नेताओं के भाजपा में शामिल होने को आगामी समय के लिए एक बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में भाजपा का आधार अब अभेद्य और बेहद मजबूत हो गया है।

भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने वाले इन तमाम जनप्रतिनिधियों और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं ने एक सुर में हुंकार भरते हुए कहा कि वे विधायक अनुज शर्मा के सेवा भाव, उनकी बेदाग कार्यशैली और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी दूरगामी सोच से बेहद प्रभावित हैं। नए सदस्यों का मानना है कि धरसीवां का वास्तविक, चौतरफा और सर्वांगीण विकास केवल और केवल भाजपा की राष्ट्रवादी नीतियों और विधायक अनुज शर्मा के अथक प्रयासों से ही संभव है। इस ऐतिहासिक और भावुक पल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य वरिष्ठ अतिथियों की मौजूदगी में विधायक अनुज शर्मा ने सभी नवागंतुक साथियों को भाजपा का पारंपरिक गमछा पहनाकर पार्टी परिवार में उनका आत्मीय और भव्य स्वागत किया।

सीएम साय और केंद्रीय राज्य मंत्री की मौजूदगी में ली सदस्यता; विपक्षी खेमे में मंचा हड़कंप

मोदी की नीतियों और सुशासन की जीत, मेरी जिम्मेदारी अब दोगुनी: अनुज शर्मा

इस महा-मिलन समारोह के दौरान धरसीवां के विधायक अनुज शर्मा काफी भावुक और गौरवान्वित नजर आए। उन्होंने नए सदस्यों का दिल से अभिनंदन करते हुए गरजते हुए कहा कि यह सिर्फ एक सामान्य राजनीतिक फेरबदल नहीं है, बल्कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, हमारी राज्य सरकार के सुशासन और विकासपरक सोच के प्रति जनता का बढ़ता हुआ अटूट विश्वास है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इन जनप्रतिनिधियों ने किसी के डर, खौफ या दबाव में आकर यह फैसला नहीं लिया है, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए स्वेच्छा से कदम बढ़ाया है। अनुज शर्मा ने कहा कि आज जो अपार ताकत और भरोसा इन साथियों ने मुझे और हमारी पार्टी को दिया है, उसने जनता के प्रति मेरी जिम्मेदारी को अब दोगुना कर दिया है। मैं जनता की अदालत में न कभी थकूँगा और न कभी रुकूँगा; मेरा हर एक पल अब धरसीवां की जनता की सेवा में समर्पित रहेगा।

खबर संक्षेप

अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई

आरंग। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला स्तरीय संयुक्त टीम ने आरंग तहसील के ग्राम कागदेही में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। जांच के दौरान समोदा-कागदेही मार्ग और आर्या पेट्रोल पंप के पास स्थित फॉरेस्ट नर्सरी के समीप बिना अनुमति के बड़ी मात्रा में रेत का अवैध भंडारण पाया गया। कार्रवाई करते हुए टीम ने करीब 1740 घनमीटर रेत जब्त की। सघन जांच अभियान के दौरान ग्राम समोदा के पास अवैध रेत परिवहन में लगे दो हाईवा वाहनों को भी पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जब्त कर आरंग थाना परिसर में खड़ा कराया गया। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जब्त रेत को नगर पंचायत समोदा के पार्षद देवेंद्र कुमार साहू को सौंप दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विभागीय टीम दिन-रात निगरानी कर रही है। इसके लिए रात्रिकालीन गश्त, औचक निरीक्षण और ड्रोन तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है।

पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय अधिवेशन

आरंग। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय अधिवेशन जांजगीर में संपन्न हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ के 33 जिलों के पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं पेंशनर भारी संख्या में उपस्थित रहे। इस प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में कुल 13 प्रस्तावों पर विचार कर सर्वसम्मति से पारित किया गया। जिसमें राज्य के पेंशनरों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा, तीर्थ यात्रा में पेंशनरों को शामिल करने सहित राज्य के पेंशनरों के हित में निर्णय लिया गया। इस प्रदेश स्तरीय अधिवेशन को मुख्य अतिथि जांजगीर क्षेत्र के विधायक व्यास कश्यप, एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष पी.आर. यादव, महामंत्री उमेश मुदलियार, प्रदेश सचिव सी.एल. दुबे, काशीराम राठौर, लखनलाल थवाईत तथा रायपुर जिला अध्यक्ष पंकज नायक सहित विभिन्न प्रांतीय पदाधिकारी एवं विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्षों ने संबोधित किया। इस अधिवेशन में राजधानी रायपुर से जी.एस. यादव, व्ही.एन. ध्रुव, विमल कुंडू, बी.पी. कुरील, बेनीराम गायकवाड़, यशवंत भोसले, वाई.आर. सोनी, रमेश तिवारी सहित भारी संख्या में पदाधिकारी एवं पेंशनर साथी उपस्थित रहे।

निधन

मनभा बाई लोधी

आरंग। आरंग क्षेत्र के ग्राम खमतराई निवासी 76 वर्षीय मनभा बाई लोधी का निधन मंगलवार को हो गया। उनके अंतिम संस्कार मे परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वे जगदीश प्रसाद मजगहे की पत्नी थी।

सुशासन तिहार: शिविर में पहुंचे सांसद बृजमोहन, राजस्व मंत्री टंकराम

शिकायतों का निराकरण नहीं, अधिकारियों की लगाई क्लास, मंत्री का पटवारी को निलंबित करने का निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

बीएनबी हाई स्कूल परिसर में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम अव्यवस्थाओं और शिकायतों को लेकर चर्चा में रहा। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा कुछ देर के लिए शामिल हुए, लेकिन दोनों नेता निर्धारित समय से करीब ढाई घंटे देरी से शाम साढ़े चार बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे। मंच संचालक दोपहर ढाई बजे से लगातार उनके पहुंचने की घोषणा करते रहे। कार्यक्रम स्थल पहुंचते ही सांसद और मंत्री सीधे विभागीय स्टालों में पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों और आवेदन देने आए लोगों से चर्चा की। इसके बाद वे मंच पर पहुंचे। मंच संभालते ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चिर-परिचित अंदाज में लोगों से सवाल-जवाब शुरू किए। उन्होंने पूछा कि किस-किस ने आवेदन दिया है और शिकायतों का निराकरण हुआ या नहीं। इस पर लोगों ने बताया कि अभी तक किसी भी आवेदन का समाधान नहीं हुआ है और न ही कोई जानकारी दी गई है। यह सुनते ही सांसद मंच पर मौजूद अधिकारियों पर नाराज हो गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूछा कि सुशासन तिहार में आई शिकायतों का निराकरण अब तक क्यों नहीं किया गया, लेकिन किसी अधिकारी ने जवाब देने की हिम्मत नहीं दिखाई।

- सांसद के सवालों का अफसर नहीं दे पाए जवाब

गर्मी में पसीने से तरबतर अधिकारी और हितग्राही : कार्यक्रम स्थल पर भीषण गर्मी के कारण विभागीय स्टालों में बैठे कर्मचारी, अधिकारी और हितग्राही पसीने से तरबतर होते रहे। मंच पर मात्र तिल्दा नगर पालिका के सीएमओ और तिल्दा तहसीलदार को छोड़ कोई बड़ा अधिकारी मौजूद नहीं थे। वहीं दूसरी ओर कई बड़े अधिकारी मंच पर मौजूद रहने के बजाय रेस्ट हाउस के वातानुकूलित हॉल में बैठे रहे । और वही से मंत्री और सांसद के आने की जानकारी लेते रहे। उधर जब लोगों को लगा कि उनके आवेदन का तत्काल निराकरण नहीं हो रहा है तो अधिकांश हितग्राही आवेदन देकर वापस लौट गए। मंत्री और सांसद के आने की सूचना मिलते ही अधिकारी भागते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे, लेकिन तब तक स्थिति बिगड़ चुकी थी। यही कारण रहा कि सांसद के सवालों का अधिकारी जवाब नहीं दे सके।

पटवारी पर कार्रवाई के निर्देश, मंत्री टंकराम वर्मा हुए नाराज : ग्राम पंचायत बिलाड़ी के एक ग्रामीण ने पटवारी लोकेश जंघेल पर बी-1 रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार नहीं करने और शिकायत नहीं सुनने का आरोप लगाया। किसान की शिकायत सुनते ही राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा नाराज हो गए और मामले को गंभीर मानते हुए एसडीएम को संबंधित पटवारी को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग में इस तरह की शिकायतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिवनी सुशासन शिविर में उमड़ा जनसैलाब, हितग्राही हुए लाभान्वित

आरंग। ग्राम पंचायत सिवनी (आरंग) में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आम जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक विशाल 'सुशासन शिविर' का जिला प्रशासन रायपुर के मार्गदर्शन में आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र की 20 से अधिक ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने के लिए प्रशासन के 40 से अधिक प्रमुख विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए, जहाँ ग्रामीणों को योजनाओं की सटीक जानकारी देने के साथ-साथ उनके आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री इतने संवेदनशील हैं कि उनका हेलीकॉप्टर सुदूर वनांचल जैसे सरगुजा, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर में भी उतर जाता है और बंद कमरे में नहीं, अपितु पेड़ की छांव के नीचे जनचौपाल लगाकर आम जनता से रूबरू होते हैं तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान होता है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु, नगर पालिका अध्यक्ष आरंग डॉ. संदीप जैन की भी उपस्थिति रही। वहीं जिला कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने निराकरण की दिशा में पहल करते हुए सभी विभागों को निर्देशित किया और डीजल-पेट्रोल संकट पर कहा कि कहीं कोई समस्या नहीं है, पर्याप्त स्टॉक है, बस आवश्यकता अनुसार उपयोग करें एवं अफवाहों से बचें।ुल 1430 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, किशोरी बालिका स्वच्छता किट, लर्निंग लाइसेंस, उज्ज्वला हितग्राही, ऋण पुस्तिका वितरण, चेक वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना की चाबी वितरण, होनहार बोर्ड टॉपर्स विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग से निःशुल्क बीपी, शुगर, रक्त परीक्षण एवं एक्स-रे की सुविधा तथा महिला एवं बाल विकास से अन्नप्राशन, गोद भराई किट आदि का वितरण हुआ।

नगर पालिका और तहसील विभाग की शिकायतों की भरमार

सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर जनता की शिकायतें सुनना था, लेकिन मंच पर सबसे अधिक शिकायतें नगर पालिका और तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर सामने आईं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने चिंता जताते हुए कहा कि नगर पालिका से जुड़ी शिकायतें सबसे ज्यादा आना गंभीर विषय है और ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने खनिज विभाग के अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताते हुए अतिरिक्त कलेक्टर को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सांसद ने शहर में हो रहे अतिक्रमण करने वालो पर कड़ी कार्रवाई करने के सबंधित विभाग के अधिकारियो को निदेश दिए। इसी तरह तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर भी लोगों ने जमकर नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा जैसे राजस्व मामलों का निराकरण महीनों से लंबित पड़ा है।

नगर पालिका और राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा आवेदन

शिविर में करीब तीन दर्जन विभागों के स्टाल लगाए गए थे। सबसे अधिक आवेदन नगर पालिका और राजस्व विभाग में जमा हुए। नगर पालिका से संबंधित शिकायतों में नाली सफाई, सड़क मरम्मत, रोड लाइट, अतिक्रमण और नलों में पानी नहीं आने जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। वहीं राजस्व विभाग के स्टाल में 400 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा विद्युत विभाग में भी लगभग 50 आवेदन जमा किए गए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल.दीपक शर्मा ,रिंकू अग्रवाल राजकुमार गेनद्रे और राम पंजवानी सहित कई लोग मौजूद रहे।

15 वर्षों से दो गांवों की प्यास बुझा रहे सीताराम संस्थाओं ने किया सम्मान

आरंग। भयंकर गर्मी के इस दौर में, जहां आज इंसान बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है और लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है, वहीं आरंग अंचल के ग्राम कुकरा में सेवा और इंसानियत की एक अद्भुत मिसाल देखने को मिली है। पेशे से लड्डू बनाने का व्यवसाय करने वाले समाजसेवी सीताराम साहू विगत 15 वर्षों से दो गांवों के हजारों ग्रामीणों को चौबीसों घंटे निःशुल्क पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं। उनकी इस निःस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें कलयुग का 'भगीरथ' माना जा रहा है। हाल ही में उनकी इस सहृदयता और दयालुता के लिए स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और ग्राम पंचायत रीवा द्वारा संयुक्त रूप से उन्हें श्रीफल, अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। राजधानी रायपुर से लगे आरंग अंचल का ग्राम लोरिक नगर गढ़रीवां पिछले कई वर्षों से भीषण जल संकट से जूझ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, यहां साल में केवल छह महीने ही पेयजल उपलब्ध रहता है। जनवरी से जून तक कुएं और हैंडपंप जवाब दे जाते हैं, जिससे लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। ग्राम कुकरा निवासी 46 वर्षीय शिवभक्त सीताराम साहू ने वर्ष 2010 में अपने घर में ट्यूबवेल खुदवाया था। क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत को देखते हुए उन्होंने बिना किसी सरकारी या बाहरी मदद के, अपने खर्च पर दो बड़ी पानी टंकियां बनवाईं और घर के बाहर अलग से कनेक्शन निकालकर 24 घंटे जलदान का संकल्प लिया। आज उनके इस नलकूप से रीवा, कुकरा और लखौली के सैकड़ों ग्रामीण अपनी प्यास बुझा रहे हैं।

सांस्कृतिक मंच दूज के चंदा ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

आरंग। आरंग छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच दूज के चंदा ने छत्तीसगढ़ के कला जगत में धमाकेदार वापसी की है। गत दिवस महासमुंद में मंच के कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से समां बांध दिया। संस्था प्रमुख जोगेन्दर सिंह ठाकुर ने संस्था के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह लोक कला मंच छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग में पंजीकृत है। संस्कृति विभाग पंजीयन क्र. 10390, चिन्हारी सरल क्र. 214 मिला है। संस्था को संजोने और फिर से मंच तक लाने में इन अनुभवी कलाकारों की मुख्य भूमिका रही। संस्था संचालक जोगेन्दर सिंह ठाकुर, मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्त्रोत आचार्य गजेन्द्र तिवारी, संगीत निर्देशन खोमन लाल साहू, उद्घोषक (एंकर) दाऊ जीवन लाल साहू (कुकराडीह वाले), सह उद्घोषक कृष्ण कुमार यादव तथा रूपरेखा संयोजक हेमन्त साहू हैं। मुख्य गायक व वादक दल में मुख्य गायक श्यामलाल साहू (हार्मोनियम वादक), दाऊलाल साहू एवं ईतवारी निषाद (सह गायक) शामिल हैं।

20 मई को दवा दुकानें बंद रहेंगी

आरंग। दवा विक्रेता संघ की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें आगामी 20 मई को ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में तथा अन्य डीप डिस्काउंट से उत्पन्न नकली दवाओं के बढ़ते संभावित खतरों से आमजन को बचाने हेतु ऑल इंडिया दवा एसोसिएशन एवं छग दवा विक्रेता संघ तथा जिला दवा विक्रेता संघ द्वारा किए गए बंद के आह्वान को पूर्ण समर्थन दिए जाने का निर्णय लिया गया है। आरंग नगर तथा ग्रामीण अंचल और निजी अस्पतालों में संचालित सभी दवा दुकानें 20 मई को पूरे दिन पूर्ण बंद रखी जाएंगी। दवा विक्रेता संघ आरंग ने स्थानीय नागरिकों से निवेदन किया है कि वे अपनी आवश्यक दवाइयाँ दिनांक 19 मई की शाम तक क्रय कर सुरक्षित रख लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, क्योंकि आरंग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तथा अस्पतालों में संचालित समस्त मेडिकल दुकानें बंद रहेंगी। सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हुए आमजन को होने वाली असुविधा के लिए संघ ने खेद व्यक्त किया है।

महंगाई और ईंधन के दामों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

आरंग। केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के कारण देश और प्रदेश में लगातार बढ़ रही पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, किराना सामान, आवश्यक खाद्य सामग्री और सोने-चांदी की कीमतों के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेशव्यापी चरणबद्ध चार-दिवसीय आंदोलन के तहत सोमवार को आरंग में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया। टाउन हॉल के सामने स्थित 'श्री राम पेट्रोल पंप' और स्थानीय किराना दुकानों के बाहर कांग्रेसियों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह आंदोलन पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के मार्गदर्शन एवं जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष पप्पू राजेंद्र बंजारे के आदेशानुसार आयोजित किया गया। आरंग शहर ब्लॉक अध्यक्ष खिलावन निषाद के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां, बैनर और स्लोगन लेकर पेट्रोल पंप के सामने डटे रहे। कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल के बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान केवल नारेबाजी ही नहीं हुई, बल्कि कांग्रेस नेताओं ने ईंधन और महंगाई की मार झेल रही आम जनता और उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया। उनकी समस्याओं को सुना गया और जनता की इस आवाज को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से उठाकर सरकार तक पहुँचाने का प्रयास किया गया।

इस व्यापक विरोध प्रदर्शन में आरंग शहर ब्लॉक अध्यक्ष खिलावन निषाद, आरंग ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष कोमल सिंह साहू, मंडल अध्यक्ष भारत लोधी, युवा कांग्रेस रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष सजल चंद्राकर, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता रहमतुल्ला खान, आरंग मंडल प्रभारी तुलसी भाई पटेल, सुदामा पाल, दीपक चंद्राकर, जय डहरिया, चमन कोसले, बलराम पाल, मनमोहन गुप्ता, रामनारायण सोनी, कुलदीप लोधी, लेस कुमार साहू, संतोष तारक, शेखर लोधी, बल्ला साहू, ठाकुर राम साहू सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

आरंग में फूटा किसानों का गुस्सा, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

रासायनिक खाद में कटौती के खिलाफ सोसायटी में धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

जिला सहकारी ब्रांच चंदखुरी के अधीनस्थ ग्रामीण सेवा समिति नारा पं. क्र. 1559 अंतर्गत ग्राम नारा, संडी एवं डिधारी के किसानों ने प्रति एकड़ रासायनिक खाद की मात्रा में की गई कटौती के विरोध में सोसायटी मैदान में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए सोसायटी के अध्यक्ष त्रिलोचन साहू को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुशंसा के आधार पर प्रति एकड़ रासायनिक खाद की मात्रा में कटौती करते हुए नई व्यवस्था के तहत किसानों को प्रति एकड़ केवल एक बोरी यूरिया, आधा बोरी डीएपी, एक बोरी पोटाश, दो बोतल नैनो यूरिया तथा एक बोतल नैनो डीएपी देने का प्रावधान किया गया है। धरना दे रहे किसानों ने कहा कि वर्षों तक शासन-प्रशासन द्वारा अधिक अन्न उपजाओ का नारा देकर किसानों को देशी खाद छोड़ रासायनिक खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन अब अचानक खाद की मात्रा घटा देने से उत्पादन प्रभावित होगा। किसानों के अनुसार कम खाद मिलने से फसल की पैदावार घटेगी और खेती की लागत बढ़ जाएगी, जिससे खेती घाटे का सौदा साबित होगी। किसानों ने यह भी कहा कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग हर किसान के लिए संभव नहीं है। विशेषकर जिन किसानों के पास पर्याप्त सिंचाई साधन नहीं हैं, वे इसका प्रभावी उपयोग नहीं कर पाएंगे। ग्रामीण किसानों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था व्यवहारिक नहीं है और इससे खेती-किसानी पर विपरीत असर पड़ेगा। ज्ञापन में किसानों ने मांग की कि पूर्व की तरह प्रति एकड़ दो बोरी यूरिया, दो बोरी डीएपी एवं एक बोरी पोटाश उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसान समय पर खेती कार्य कर सकें और उत्पादन प्रभावित न हो।

- पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने की मांग : ज्ञापन में किसानों ने डीजल संकट का मुद्दा भी उठाया। ट्रैक्टर धारक किसानों का कहना है कि खेती के मौसम में औसतन प्रतिदिन 50 लीटर डीजल की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन डीजल उपलब्धता और लंबी कतारों के कारण किसानों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसानों ने शासन से डीजल पंपों में किसानों के लिए अलग व्यवस्था एवं निर्धारित दर पर पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने की मांग की। किसानों ने उम्मीद जताई कि शासन-प्रशासन उनकी न्यायोचित मांगों पर गंभीरता से विचार करेगा और किसानों को आंदोलनात्मक कदम उठाने की स्थिति में नहीं पहुंचाएगा। धरना प्रदर्शन के दौरान कैलाश वर्मा, संदीप शर्मा, इंद्रकुमार चंद्राकर, पवन वर्मा, नरेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में तीनों गांव के किसान उपस्थित रहे।

बूथ, मंडल, शक्ति केंद्रों के साथ अब जिलों में भी हर माह भाजपा की बैठक जरूरी

बैठकों में कमजोर बूथों पर चर्चा के बाद इनको किया जाएगा मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन ने अभी से 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने तय किया है कि अब बूथों से लेकर जिलों में हर माह बैठक की जाएगी। इसमें काई भी लापरवाही नहीं चलेगी।

हर हाल में अब हर माह बैठक होगी। इन बैठकों में हर माह होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ सबसे अहम बूथों को लेकर चर्चा होगी। भाजपा का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के हर बूथ को मजबूत करना है। भाजपा की चुनावों को लेकर हमेशा से ही अलग रणनीति रहती है। भाजपा किसी भी राज्य में चुनाव की तैयारी काफी पहले से प्रारंभ कर देती है। अप्रैल और मई में पांच राज्यों के चुनाव के बाद भाजपा ने अभी से 2027 और 28 में जिन भी विधानसभाओं में चुनाव होने हैं उसकी तैयारी प्रारंभ कर दी है।

अपने राज्य छत्तीसगढ़ मे 2028 में विधानसभा चुनाव होगा। इसके लिए अभी करीब ढाई साल का समय है, लेकिन यहां पर अभी से तैयारी करने का काम प्रारंभ कर दिया गया है।

पहली बार हर माह बैठक की रणनीति

भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई। अब एसआईआर के बाद प्रदेश में करीब 25 हजार बूथों के स्थान पर करीब 28 हजार बूथ हो गए हैं तो भाजपा का उन तीन हजार नए बूथों पर भी बड़ा फोकस है। अब इसी माह से भाजपा की बैठकों की दौर प्रारंभ होने वाला है। इसमें बूथों की बैठक के साथ शक्ति केंद्र, मंडल और जिलों की बैठक होगी तो इसमें बूथों को लेकर खास मंथन होगा किस मंडल और किस जिले में कितने बूथ ऐसे हैं जो कमजोर हैं। इसके बाद इन बूथों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करके इनको मजबूत किया जाएगा। भाजपा के पास हर बूथ के लिए पन्ना और पेज प्रभारी हैं। इनको बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। लगातार हर माह बूथ, मंडल और शक्ति केंद्रों के साथ जिलों की बैठक होगी। इसमें प्रदेश संगठन से तय कार्यक्रमों के साथ बूथों को लेकर मंथन होगा और रणनीति बनेगी।

खबर संक्षेप

दिव्यांश फाउंडेशन ने छेड़ा जल संरक्षण अभियान

रायपुर। बढ़ती गर्मी में पेयजल की समस्याओं को देखते हुए दिव्यांश फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा जीई रोड स्थित अनुपम गार्डन में सोमवार को जल संरक्षण अभियान का आयोजन किया गया। जहां घरेलू जल संरक्षण के उपाय बताए गए और साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आमजनों में पर्चे भी बांटे गए। संस्था के पदाधिकारियों ने निवेदन किया कि आमजनों की सहभागिता से इस मुहिम को और भी ज्यादा सफल बनाया जा सकता है। इसका हिस्सा बनने के लिए संपर्क सूत्र 93296 67551 पर संपर्क किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में वीरेंद्र कश्यप, गगन सिंह, मुकेश साहू का योगदान रहा।

खाद के बाद डीजल का दाम बढ़ने से किसान परेशान

रायपुर। डीजल के दाम बढ़ने और इसकी किल्लत ने कृषि लागत को बेतहाशा बढ़ा दिया है। छत्तीसगढ़ के कृषि-प्रधान क्षेत्रों में सिंचाई और ट्रैक्टर संचालन जैसे जरूरी कामों के लिए ईंधन की अनुपलब्धता किसानों को भारी संकट में डाल रही है, जिससे आम जनता भी महंगाई की मार झेल रही है और भारी आक्रोशित हो गए हैं। साथ ही डीजल, पेट्रोल का दाम रातों-रात 3 रुपए बढ़ाए गए। इस संबंध में किसान नेता एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि किसानों की खरीफ का कार्य जोरों पर है, जुताई का कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन किसान मजबूर होकर सरकार के तुगलकी फरमान का शिकार हो रहे हैं। किसानों को जेरीकेन एवं ड्रम में डीजल देने का आदेश सरकार कराए। किसान सबकुछ होकर भी बेबस होकर डीजल पर प्रतिबंध के कारण मजबूर हैं। साथ ही जब किसानों का खेती का काम प्रारंभ होने पर ही डीजल का रेट बढ़ाना किसान विरोधी कार्य है किसानों को राहत देते हुए बढ़ी हुई दर किसानों के लिए माफ कर वापिस लें, प्रति एकड़ लगभग 100 रुपए की अतिरिक्त कृषि लागत केवल डीजल में बढ़ोतरी के कारण होगी। अगर किसानों को जरीकेन एवं ड्रम में डीजल उपलब्ध नहीं कराएंगे तो किसानों को साथ लेकर इस समस्या के लिए आंदोलन करने बाध्य होंगे।

मेडिकल स्टोर प्रोफेशनल बिजनेस, फार्मासिस्टों की उपस्थिति अनिवार्य हो : आईपीए

रायपुर। मेडिकल स्टोर कोई किराना व्यापार नहीं बल्कि प्रोफेशनल बिजनेस है। इसमें नियमों की अनदेखी सीधे तौर पर लोगों की जान से खिलवाड़ है। नियमों के मुताबिक दवा केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही दवाओं का वितरण कर सकता है मगर वर्तमान में अप्रशिक्षित या गैर-पेशेवर लोग धड़ल्ले से दवाइयां बांट रहे हैं। उनके द्वारा ऑनलाइन फार्मेसी में काउंसिलिंग का अभाव और छूट के प्रलोभन को गलत करार देते हुए इसका विरोध किया है। 20 मई को ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा बुलाई गई देशव्यापी हड़ताल के आह्वान के बीच इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने अपना कड़ा रुख सामने रखा है। संगठन ने केमिस्टों के कामकाज के तरीकों पर गंभीर उंगली उठाई है कि केमिस्ट संगठन अक्सर दवा विशेषज्ञ फार्मासिस्टों की अनदेखी करते हैं।

आम जनता को परेशानियों का करना पड़ रहा सामना

चावल जमा नहीं करने वाले मिलरों की बैंक गारंटी जब्ती की कार्रवाई शुरू, 2 मिलर्स के साढ़े 10 करोड़ रुपए जब्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर जिले में उपार्जन केंद्रों से धान उठाव के बाद कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने वाले राइस मिलर्स के खिलाफ सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) ने अब कार्रवाई शुरू कर दी है। जिले में 19 राइस मिलरों ने लगभग 70 करोड़ रुपए का चावल अब तक जमा नहीं किया है।

विभाग ने राइस मिलरों को चावल जमा करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया था, लेकिन इसके बाद भी राइस मिलर्स ने चावल जमा नहीं किए, जिसके बाद विभाग ने अब सभी राइस मिलर्स द्वारा विभिन्न बैंकों में गारंटी के रूप में जमा की गई राशि को जब्ती बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत बैंकों को पत्र भी लिखे गए हैं। इन पत्रों के आधार पर बैंकों ने भी राइस मिलरों की बैंक गारंटी जब्त कर मार्कफेड के खाते में यह राशि ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है। इसके तहत दो राइस मिलर्स की लगभग साढ़े 10 करोड़ रुपए की राशि को जब्ती बना कर बैंक ने मार्कफेड के खाते में ट्रांसफर कर दिया है। रायपुर जिले में सभी राइस मिलर्स को अनुबंध के तहत 31 मार्च तक उपार्जन केंद्रों से उठाए गए धान के बदले चावल जमा किया जाना था, लेकिन तय अवधि खत्म होने के बाद भी 74 राइस मिलर्स चावल जमा नहीं कर पाए थे। मार्कफेड ने इन राइस मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इस पर राइस मिलर्स ने कुछ दिक्कतों का हवाला देकर समय-सीमा बढ़ाए जाने की मांग की थी। मार्कफेड ने इसके बाद एक माह के लिए 30 अप्रैल तक समय-सीमा बढ़ाई भी थी, लेकिन इसके बाद भी 74 में 32 मिलर्स ने चावल जमा नहीं किए। इनमें 19 राइस मिलर्स ऐसे हैं, जिनके द्वारा करोड़ों रुपए का चावल जमा नहीं किया गया है। विभाग ने ऐसे ही 19 राइस मिलर्स को अंतिम नोटिस जारी किया था, जिसमें बैंक गारंटी जब्ती की बात कही गई थी। इस नोटिस के बाद भी इन मिलरों ने चावल जमा नहीं किया।

5 दिन शेष, 74 मिलर्स ने जमा नहीं किया कस्टम मिलिंग का चावल, सभी को कारण बताओ नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर जिले में उपार्जन केंद्रों से धान के उठाव के बाद कस्टम मिलिंग का चावल अब तक 74 मिलर्स जमा नहीं कर पाए हैं, जबकि चावल जमा करने की अंतिम तारीख 30 अप्रैल है। अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने शनिवार को भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में कस्टम मिलिंग चावल जमा करने की समीक्षा की। इस दौरान चावल जमा नहीं करने वाले 74 मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करने अधिकारियों को निर्देशित किया। इस निर्देश के तहत सभी मिलरों को नोटिस जारी किया है, साथ ही सभी मिलरों को समय-सीमा खत्म होने के पूर्व शेष चावल जमा करने के लिए कहा है।

ब्लैक सूची में दर्ज होंगे नाम, बैंक गारंटी से होगी वसूली

समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर ने खाद्य विभाग एवं विपणन संघ के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कोई भी मिलर अगर समय-सीमा के भीतर चावल जमा करने में रूचि नहीं ले रहा है, उनमें ज्यादा मात्रा चावल वाले मिलर्स के यहां भौतिक सत्यापन किया जाए तथा किसी तरह की गड़बड़ी मिलती है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके तहत राइस मिलर का नाम ब्लैक सूची में डालकर उसके विरुद्ध एफआईआर किया जाए, साथ ही इन सभी मिलरों से चावल जमा नहीं करने की राशि की वसूली बैंक गारंटी से की जाए। बैठक में खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा, सहकारी विपणन संघ मर्यादित के जिला अधिकारी जशबीर सिंह बघेल सहित विभाग के अन्य अधिकारी- निरीक्षक उपस्थित थे।

10 टन से लेकर 2056 टन तक चावल जमा नहीं

जिले में जिन मिलरों ने अब तक चावल जमा नहीं किया है उसकी मात्रा 10 टन से लेकर 2056 टन तक है। इनमें सबसे अधिक चावल जमा नहीं करने वाले मिलरों में महालक्ष्मी पड्डी प्रोसेसिंग कंपनी(एमए448597) 2056.26 टन, एमएस इंडियन राइस इंडस्ट्रीज (एमए443021) 1927.35 टन, अमित एग्रो प्रोसेसिंग (एमए441594) 1764.26 टन, अग्रोहा इंडस्ट्रीज (एमए447586) 1707.99 टन, कोनार्क इंडस्ट्रीज हफ (एमए443028) 1279.64 टन, निर्मला राइस प्रा.लि.(एमए443166) 1247.75 टन, गिंदलानी राइस मिल (एमए444558) 1195.48 टन, गुरुनानक राइस इंडस्ट्रीज (एमए446974) 939.46 टन, महालक्ष्मी पड्डी प्रोसेसिंग कंपनी (एमए443458) 916.58 टन, मां संतोषी उद्योग(एमए443267) 863.76 टन सहित अन्य मिलर्स है जिनके द्वारा अब तक धान उठाव के विरुद्ध चावल जमा नहीं किए हैं।

19 राइस मिलर्स ने लगभग 70 करोड़ का चावल नहीं किया जमा

मार्कफेड अफसरों के अनुसार जिन 19 राइस मिलर्स की बैंक गारंटी जब्ती करने बैंकों को पत्र लिखा गया है, उनके द्वारा लगभग 70 करोड़ रुपए का चावल जमा नहीं हुआ। इनमें प्रमुख रूप से महालक्ष्मी पड्डी प्रोसेसिंग कंपनी (एमए448597), एमएस इंडियन राइस इंडस्ट्रीज (एमए443021), अमित एग्रो प्रोसेसिंग (एमए441594), अग्रोहा इंडस्ट्रीज (एमए447586), कोनार्क इंडस्ट्रीज हफ (एमए443028), निर्मला राइस प्रा.लि.(एमए443166), गिंदलानी राइस मिल (एमए444558), गुरूनानक राइस इंडस्ट्रीज (एमए446974), महालक्ष्मी पड्डी प्रोसेसिंग कंपनी (एमए443458), मां संतोषी उद्योग(एमए443267), कमल राइस मिल, गणपति राइसटेक, जेडी इंडस्ट्रीज, जय अंबे राइस मिल, अन्नपूर्णा एंड कंपनी आदि शामिल है।

इन राइस मिलर्स की बैंक गारंटी जब्त

अमित एग्रो प्रोसेसिंग राइस मिलर्स ने 26332.33 टन चावल जमा नहीं किया है, जिसकी कुल राशि 6 करोड़ 58 लाख रुपए से अधिक है, वहीं बैंक में राइस मिलर्स का बैंक गारंटी के रूप में 9 करोड़ रुपए जमा है। इस राशि में से लगभग 6 करोड़ रुपए की राशि को बैंक ने जब्ती बना कर विभाग के खाते में ट्रांसफर कर दिया है। इसी प्रकार महालक्ष्मी पड्डी प्रोसेसिंग कंपनी ने भी 335565.55 चावल जमा नहीं किया है, जिसकी कुल कीमत 8 करोड़ 39 लाख से अधिक है, वहीं बैंक में 10 करोड़ रुपए से अधिक बैंक गारंटी जमा है। बैंक ने 4 करोड़ रुपए की राशि जब्त कर विभाग को ट्रांसफर किया है।

बैंक गारंटी जब्त की जा रही

कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने वाले राइस मिलर्स की अब बैंक गारंटी को जब्त किया जा रहा है। इसके लिए सभी बैंकों को पत्र लिखा जा चुका है। दो बैंक ने बैंक गारंटी जब्त कर विभाग के खाते में ट्रांसफर भी कर दिया है।

- जशबीर सिंह बघेल,
डीएमओ, मार्कफेड रायपुर

कांग्रेस बोली- कौशिक के साथ लूट सरकार के मुंह पर करारा तमाचा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, राजधानी रायपुर में बेहद चिंताजनक घटना घटी, यह घटना डरावनी है, झकझोर कर रख देने वाली है। प्रदेश के वरिष्ठ राजनेता विधायक धरमलाल कौशिक के साथ सरेआम लूट की घटना हो गयी, जब वे अपने निवास के पास मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, लुटेरे उनका मोबाइल छीनकर भाग गए।

यह घटना जब हुई है उस समय देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजधानी में थे और राजधानी हाई अलर्ट पर है। ऐसे समय पर घटना छत्तीसगढ़ पुलिस, रायपुर पुलिस कमिश्नरी और प्रदेश के गृहमंत्री के गाल पर करारा तमाचा है। धरमलाल कौशिक छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं, उनके साथ लूट होना सामान्य घटना नहीं है। राजधानी की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था को सुधारने के नाम पर सरकार ने राजधानी में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की थी, राजधानी की कानून व्यवस्था में कोई सुधार तो नहीं हुआ, कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के कारण नागरिकों की परेशानी जरूर बढ़ गई। रायपुर कमिश्नरी के जिम्मेदार अधिकारियों को यह अहसास कराया जाना चाहिए कि उनका काम केवल जनता को परेशान करना नहीं, अपराधों पर अंकुश लगाना भी है।

शाह बताएं डीजल-पेट्रोल का संकट क्यों? : गेंदू

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू ने कहा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह बस्तर दौरे पर गये हैं, वे जब आये हैं उस समय पूरे प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, महंगाई बेतहाशा बढ़ी हुई है। प्रदेश के आधे पेट्रोल पंप सूखे हुए हैं। प्रदेश में पेट्रोल पंपों पर लोग लाइन में लगे हैं, भाजपा के लोग कह रहे स्थिति सामान्य है। अमित शाह के आगमन के लिए बस्तर के सभी पंपों में 5000 लीटर डीजल रिजर्व रखने का आदेश दिया गया है। एक तरफ जनता को डीजल-पेट्रोल मिल नहीं रहा, दूसरी तरफ 5000 लीटर रिजर्व रखना जनता पर अत्याचार है। बस्तर में भी पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत है। अमित शाह बतायें मोदी निर्मित इस आपदा पर आप क्या कहना चाहेंगे?

खरीफ सीजन में यूरिया 34800-डीएपी 19000 मीट्रिक टन का लक्ष्य, 50 प्रतिशत भी भंडारण नहीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खरीफ सीजन के लिए इस बार रायपुर जिले के किसानों को यूरिया, डीएपी, पोटाश, एसएसपी तथा एनपीके उपलब्ध कराने के लिए वृहद स्तर पर भंडारण किया जा रहा है। इसके बाद भी इन सभी उर्वरक में कोई भी भंडारण लक्ष्य के 50 प्रतिशत तक पहुंच नहीं पाया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों से मिले आंकड़ों के अनुसार जिले में इस बार सभी उर्वरक मिलाकर 75 हजार 7 सौ मीट्रिक टन भंडारण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी तुलना में अब तक कुल 28 हजार 284 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण हुआ है।

डीएपी-पोटाश एवं एसएसपी का भंडारण सबसे कम

भंडारण के मिले आकड़ों के अनुसार जिले को यूरिया 34800, डीएपी 19000, पोटाश 4300, एसएसपी 5100 तथा एनपीके 12500 मीट्रिक टन उर्वरक भंडारण करने का लक्ष्य है। इसके विरुद्ध यूरिया 14255, डीएपी 5083 पोटाश 1751, एसएसपी 2534 तथा एनपीके 4661 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण हो चुका है। इस तरह कोई भी उर्वरक का भंडारण 50 प्रतिशत पहुंचा नहीं है।

7504 मीट्रिक टन उर्वरक वितरित

भंडारण किए गए उर्वरक किसानों की मांग पर वितरण भी किया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार अब तक यूरिया 3638, डीएपी 1261, पोटाश 431, एसएसपी 611 तथा एनपीके 1563 कुल 7504 मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है।

विशेषज्ञों की सलाह, डीएपी पर निर्भर रहना जोखिम

इधर कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को केवल डीएपी. पर निर्भर रहना जोखिम है। इससे मिट्टी का संतुलन भी बिगड़ सकता है। बेहतर फसल उत्पादन और मिट्टी के स्वास्थय को बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग बेहद जरूरी है। धान जैसी प्रमुख खरीफ फसल के लिए यूरिया, फॉस्फेट, पोटाश और एनपीके जैसे उर्वरकों का सही मात्रा में प्रयोग करना लाभकारी साबित होता है तथा डीएपी पर निर्भरता कम कर इसे वैकल्पिक उर्वरक के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है।

नील हरित काई, हरी खाद-जैव उर्वरक का करें इस्तेमाल

विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की है कि वे नील हरित काई, हरी खाद तथा जैव उर्वरक (बायो-फर्टिलाइजर्स) का उपयोग करें। इससे रासायनिक उर्वरकों के निर्भरता पर कमी लाएगी। किसान बोरियों वाली खाद के स्थान पर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी (तरल) को प्राथमिकता दें। यह न केवल परिवहन में आसान है बल्कि इसकी उपयोग क्षमता 90 प्रतिशत तक है। इसके छिड़काव से फसल को सीधा पोषण मिलता है और जमीन भी खराब नहीं होती।

आम जनता को परेशानियों का करना पड़ रहा सामना

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का बाजारों में प्रदर्शन मोदी और साय सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बढ़ती महंगाई और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में रायपुर शहर के चारों विधानसभा क्षेत्रों में संयुक्त रूप से बाजारों में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता शहर की किराना दुकानों एवं बाजारों में पहुंचे और दुकानदारों एवं आम नागरिकों से चर्चा की। दुकानदारों एवं आमजनों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण व्यापार और घरेलू बजट दोनों प्रभावित हो रहे हैं तथा आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में प्रदर्शन के दौरान देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के कार्यकाल और 12 साल के मोदी के कार्यकाल के अंतर पर बात की गई। देश के लिए उनके योगदान की याद किया गया जब पूरे विश्व में अर्थव्यवस्था टूट गई, नौकरियां जा रही थी। बैंक और बड़े बड़े मॉल बंद हो रहे थे, तब मनमोहन सरकार की नीतियों ने देश में अर्थव्यवस्था को बचाए रखा।

केंद्र और राज्य सरकार जिम्मेदार

शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने आरोप लगाया कि देश सहित पूरे छत्तीसगढ़ में किराना सामान एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होने से आम जनता परेशान हैं। आमजनों को मानसिक एवं आर्थिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की साय सरकार की नाकामी और वैकल्पिक व्यवस्था करने में अक्षमता को जिम्मेदार ठहराया।

ये थे मौजूद

आज के प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, प्रमोद दूबे, आकाश शर्मा, एजाज ढेबर, सक्लाइन कामदार, सुनील कुकरेजा, देवेंद्र यादव, सुरेश उपाध्याय, कमलेश मिश्रा, दिनेश ठाकुर, प्रशांत ठेंगड़ी, सौरभ तिवारी, नवीन चंद्राकर, दिनेश तिवारी, ओम श्रीवास, देवकुमार साहू, सुधा सरोज, विजय टंडन, हीरेंद्र देवांगन, कमल धृतलहरे, मिलिंद गौतम, अर्जुमन ढेबर, किशन बजारी, विनोद ठाकुर, सुयश शर्मा, सुजीत सिंह, राज देवांगन, दीपक चौबे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

यहां किया गया प्रदर्शन

रायपुर पश्चिम विधानसभा में यह प्रदर्शन गुढ़ियारी स्थित गणेश पंडाल के पास से प्रारंभ होकर कबीर चौक तक निकाला गया। उत्तर विधानसभा में शुभम के मार्ट, देवेंद्र नगर से पंडरी एलआईसी ऑफिस तक प्रदर्शन किया गया। रायपुर ग्रामीण विधानसभा में मोवा बाजार चौक में प्रदर्शन आयोजित किया गया। वहीं रायपुर दक्षिण विधानसभा में पुरानी बस्ती थाना से लाखे नगर चौक तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान गुढ़ियारी पड़ाव, पंडरी और मोवा मार्केट, पुरानी बस्ती के व्यवसाइयों और आम जनता से मुलाक़ात कर उनकी परेशानियों की चर्चा की गई। आम जनों और व्यापारियों ने अपनी तकलीफें बताई और माँग की है की उन्हें सब्सिडी और राहत देकर सरकार मदद करे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में 35 सौ मेगावाट की योजना

प्रदेश में पानी से 13 हजार मेगावाट बिजली बनाने की योजना, अब बस्तर भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश सरकार राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने 13 हजार मेगावाट बिजली तो पानी से ही बनाने की योजनाएं बनाई हैं। इन योजनाओं में अब बस्तर को भी नक्सलमुक्त होने के बाद जोड़ा गया है। बस्तर के तीन जिलों में 9 जलाशयों को चुना गया है। इसमें 57 सौ मेगावाट बिजली बनाने की योजना बनेगी। इसके लिए सर्वे किया गया है। अब आने वाले समय में मानसून में यहां के आंकड़ों के आधार पर डीपीआर भी तैयार होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में भी 35 सौ मेगावाट की दो योजनाएं तैयार की गई हैं। इन पर सबसे पहले काम होगा। कुल मिलाकर चार जिलों 83 सौ मेगावाट की योजनाएं तैयार की गई हैं।

प्रदेश में लगातार बिजली की खपत आसमान पर जा रही है। गर्मी में इस बार खपत 73 सौ मेगावाट तक गई है। आने वाले समय में खपत आठ हजार मेगावाट के पार जाएगी। जहां तक पॉवर कंपनी के अपने संयंत्रों में उत्पादन का सवाल है तो उसकी क्षमता बहुत कम है। पॉवर कंपनी के संयंत्रों में 2960 मेगावाट की क्षमता है। इस क्षमता की तुलना में उत्पादन हमेशा दो से ढाई हजार मेगावाट ही होता है।

पहली बार बस्तर का भी चयन

पॉवर कंपनी ने पहली बार बस्तर का भी चयन पानी से बिजली बनाने के लिए किया है। बस्तर में नक्सलवाद के कारण पहले कभी योजना नहीं बनी, लेकिन अब बस्तर के नक्सलवाद से मुक्त होने के बाद वहां के लिए भी योजना तैयार की गई है। वहां के तीन जिलों के 9 जलाशयों को चिहांकित किया गया है। इन जलाशयों में ही बिजली के संयंत्र बनेंगे। यह योजना पंप स्टोरेज आधारित होगी। इस योजना में नीचे के जलाशय से उपर के जलाशय में पानी को स्टोर किया जाता है। बिजली बनाने के लिए उपर के जलाशय से पानी छोड़कर बिजली का उत्पादन किया जाता है।

इन स्थानों पर भी पानी से बनेगी बिजली

बस्तर के अलावा पानी से बिजली बनाने के लिए आधा दर्जन अन्य स्थानों का चयन किया गया है। इसमें हसदेव बांगो कोरबा में आठ सौ और सिकासेर बांध गरियाबंद में 12 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। गरियाबंद के ह कुरुंड में 1000 मेगावाट की योजना है। जशपुर के डांगरी में 14 सौ मेगावाट और रौनी में 21 सौ मेगावाट का प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए तैयारी हो गई है। पहले चरण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में 35 सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन पानी से किया जाएगा। इसी के साथ बलरामपुर के कोटापाली में 18 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। इन स्थानों पर पंप हाइड्रो योजना के तहत 8300 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

बस्तर के लिए भी योजना

बस्तर में भी पंप स्टोरेज योजना के तहत 57 सौ मेगावाट बिजली बनाने की योजना तैयार कर रहे हैं। इसी के साथ चार अन्य जिलों में भी 83 सौ मेगावाट बिजली पानी से बनाने की योजना है।

- संजीव कटियार
एमडी, उत्पादन कंपनी

स्वीकृति आदेश नहीं होने से सभी कर्मचारियों में रोष

रायपुर। अल्प वेतन के तृतीय, चतुर्थ और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को 3 माह का वेतन नहीं मिल पाया है, इसके कारण कर्मचारियों को परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में छग प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष जवाहर यादव ने बताया कि, मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर के नियंत्रणाधीन मंडल एवं संभागों कुल 7 कार्यालयों का अस्थाई संरचनाओं वर्ष 2026-27 का शासन द्वारा आज पर्यन्त तक अस्थाई पदों का निरंतरता की स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। इस स्वीकृति नहीं होने के कारण अल्प वेतन के तृतीय एवं चतुर्थ तथा दैवेभो कर्मचारियों को 3 माह का वेतन नहीं मिल पाया है। प्रशासन में ई-आफिस का कार्यप्रणाली होने के बावजूद निरंतरता की स्वीकृति का आदेश नहीं हुआ। इसके कारण सभी कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।

निधन

तुलसीराम नायक

रायपुर। बोरियाखुर्द कमल विहार निवासी तुलसीराम नायक का 18 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 मई को सुबह 9 बजे उनके निवास स्थान से कमल विहार मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे ललिता नायक के पति और रोहित, निखिल नायक के पिता थे।

विजय शंकर झा

रायपुर। पुरानी बस्ती टिल्लू चौक निवासी विजय शंकर झा (55) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 मई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. डां गिरजा शंकर झा के पुत्र और विनायक झा के पिता थे। उनके निधन पर मैथिल ब्राह्मण समाज ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

लक्ष्मी बाई मानिक

रायपुर। बिलासपुर जरहाभाठा निवासी लक्ष्मी बाई मानिक का 18 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सरकंडा मुक्तिधाम में 19 मई को सुबह 10 बजे किया जाएगा। वे नागेश, योगेश, धनेश, उमेशराव मानिक, हरवीना व प्रवीणा की माता एवं हरिभूमि के फोटो जर्नलिस्ट किशन लोखण्डे तथा दीपक वासनिक की सासू मां थीं।

इंदिरा देवी सोनी

रायपुर। पुरोहित बाड़ा बूढ़ापारा निवासी इंदिरा देवी सोनी का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 मई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. हरिकिशन सोनी की धर्मपत्नी, अलंकार ज्वेलर्स के संचालक सुनील सोनी की माता एवं विधायक सुनील सोनी की बहन थीं।

चैती बाई धनगर

रायपुर। न्यू शांति नगर निवासी चैती बाई धनकर का 18 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 मई को सुबह 10 बजे शंकर नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे जीवन और तरुण धनगर की माता थीं।

पटोल बाई जसूजा

रायपुर। मुथानगर, तेलीबांधा निवासी पटोल बाई जसूजा (82) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 मई को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे जयरामदास, जसराज, राजेश, अनिल जसूजा की माता थीं।

विजय सिंह ठाकुर

रायपुर। सत्यनारायण मंदिर के पास, टिकरापारा निवासी विजय सिंह ठाकुर का 18 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे रश्मि सिंह ठाकुर के पति और ज्योति सिंह, अजय सिंह ठाकुर के भाई एवं आदित्य सिंह, आर्यन सिंह ठाकुर के पिता थे।

50 प्रतिशत शुल्क में छूट से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री ज्यादा, 10 दिन में 300 से ज्यादा रजिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

प्रदेश में रजिस्ट्री शुल्क में जब से महिलाओं को 50 प्रतिशत छूट का नियम लागू हुआ है, तब से अब पंजीयन कार्यालय में महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री ज्यादा होने लगी है। लोग छूट का फायदा उठाने के लिए परिवार के सदस्यों में महिलाओं के नाम पर ही रजिस्ट्री करा रहे हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 10 दिनों में रायपुर पंजीयन दफ्तर में 15 सौ से अधिक रजिस्ट्री हुई है, जिसमें महिलाओं के नाम 300 से अधिक रजिस्ट्री है। हालांकि यह अनुमानित आंकड़ा है। यह आंकड़ा कम या फिर और ज्यादा भी हो सकता है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार 5 मई से प्रदेश में महिला के नाम पर संपत्ति, भूमि रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दे रही है। इस छूट के लागू होने के बादसे संपत्ति की रजिस्ट्री कराने के दौरान पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत की जगह अब 2 प्रतिशत ही लग रहा है। हालांकि तकनीकी कारण से 7 मई से छूट मिलना शुरू हुई है। विभाग के पोर्टल में अपडेट किए जाने के कारण दो दिन तक पंजीयन शुल्क में छूट महिलाओं को मिल नहीं पाई। इधर स्टाम्प ड्यूटी में पहले से महिलाओं को एक प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इस तरह स्टाम्प ड्यूटी के साथ पंजीयन शुल्क में भी 50 प्रतिशत छूट मिलने से रजिस्ट्री कराने में महिलाओं को काफी बचत हो रही है।

पुष्पांजलि को मिली 44 हजार की छूट

रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट मिलने से महिलाओं के लिए यह एक प्रकार से बचत भी है। इससे उनके परिवार तथा उनकी आर्थिक भागीदारी भी मजबूत हो रही है। पुष्पांजलि देवांगन ने हाल ही में अपने नाम पर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराई है। इस रजिस्ट्री में लगभग 44 हजार रुपए छूट का लाभ मिला है। इसी प्रकार अन्य कई महिलाएं हैं, जिनके नाम पर रजिस्ट्री पिछले 10 दिनों के दौरान हुई है। इन महिलाओं को भी पंजीयन शुल्क में छूट मिलने से अच्छी खासी रकम की बचत हुई हैं।

महिलाओं के नाम ज्यादा हो रही

50 प्रतिशत पंजीयन शुल्क में छूट लागू होने के बाद महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्रियां ज्यादा होने लगी हैं। इस छूट से महिला और उसके परिवार को अच्छी खासी राशि की बचत हो रही है।

विनोज कोचे, पंजीयक रायपुर

8 साल से अटका हवाई सफर सितंबर में होगा पूरा

स्कॉई वॉक में जल्द होगा रोटरी निर्माण 3 स्थानों पर लिफ्ट, 8 जगह एस्केलेटर

- *गर्डर लगाने की चल रही तैयारी*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्काई वॉक में 12 प्रवेश और निकास द्वार

77 करोड़ की लागत वाले स्काईवॉक में 12 प्रवेश और निकास द्वार बनाया जा रहा है। यही नहीं, कलेक्टोरट, तहसील, सेंट्रल जेल के सामने लोगों को स्काईवाक में आने-जाने सीढ़ियां लगाई जा रही हैं, जबकि डीकेएस के सामने, शहीद स्मारक पार्किंग के पास सीढ़ियां बनाने का काम अभी बाकी है।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर राजधानी रायपुर में यातायात का दबाव कम करने और मुख्य मार्गो पर पैदल चलने वालों को सुविधा देने शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक व अंबेडकर अस्पताल चौक पर स्काईवॉक जल्द तैयार होगा। आम जनता की सुविधा के लिए स्कॉईवाक में 8 जगहों पर एस्केलेटर और 2 जगहों पर लिफ्ट की व्यवस्था बनाई जा रही है।

8 साल से मुख्य मार्ग पर भीड़ और ट्रैफिक के दबाव से दूर हवाई सफर की हसरत जल्द पूरी होने की उम्मीद जग रही है। लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों का कहना है सितंबर तक शहर का स्काईवॉक लोगों के लिए शुरू हो जाएगा। इसके लिए लोक निर्माण से अनुबंधित एजेंसी द्वारा काम में तेजी लाई जा रही है। अधूरे स्कॉईवाक के निर्माण को पूरा करने पिछले साल 21 मई को पीएसएए कंस्ट्रक्शन कंपनी को इस कार्य के लिए अनुबंधित कर वर्कआर्डर जारी किया गया। स्काईवॉक में शास्त्री चौक के पास जल्द ही रोटरी का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए गर्डर लगाने और अन्य आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी का कहना है कि रोटरी निर्माण के साथ ही फिनिशिंग का पूरा कार्य किया जा रहा है। इसी माह रोटरी के गर्डर लांचिंग की जाएगी। इसके बाद यात्रियों के उतरने व चढने के लिए 3 स्थानों पर लिफ्ट और 8 अलग-अलग स्थानों पर एस्केलेटर लगाए जाएंगे। शहर के बीच अत्यधिक यातायात के दबाव वाले क्षेत्र में स्काईवॉक बनने से नागरिकों की सुरक्षा और यातायात को ध्यान में रखकर कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही अनुबंधित एजेंसी स्काईवॉक के खराब हिस्से में मरम्मत व सुधार का कार्य करा रही है।

केंद्र ने रायपुर नगर निगम के 220 करोड़ के प्रस्ताव को दी मंजूरी, 30 फीसदी फंड जल्द होगा रिलीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने रायपुर शहर की जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रायपुर नगर निगम द्वारा भेजे गए 220 करोड़ के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत केंद्र सरकार से 90 फीसदी राशि और राज्य शासन का अंशदान 10 फीसदी रहेगा। इसमें से 30 फीसदी फंड की राशि केंद्र सरकार द्वारा जल्द रिलीज की जाएगी। शहरी बाढ़ जोखिम विकास प्रोजेक्ट के लिए देश के 9 चुनिंदा शहरों का चयन भारत शासन के बाढ़ आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किया गया है। चयनित शहरों में भोपाल, भुवनेश्वर, गौहाटी, जयपुर, कानपुर, त्रिवेंद्रम, पटना, विशाखापटनम और रायपुर शामिल है। प्रथम चरण में केंद्र ने छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर और उत्तरप्रदेश के कानपुर शहर के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

दरअसल, भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा रायपुर शहर को जलभराव की समस्या से निराकरण के लिए 220 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान रखते हुए 9 मई 2024 को पत्र के माध्यम से प्रस्ताव मांगा। नगर निगम ने 2 वर्ष पूर्व इस संबंध में जोन स्तर पर सर्वे कराने के बाद शहर में ऐसे 98 इलाके चिन्हांकित किए जो जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। इन क्षेत्रों की वार्डवार सूची बानाकर समस्या के स्थायी समाधान का सुझाव देते हुए जहां प्रारंभिक स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा था। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को अलग-अलग स्तर रिवाइज करने के बाद केंद्र ने 12 मई 2026 को स्वीकृति भेज दी है। रायपुर के अलावा उत्तरप्रदेश के कानपुर शहर द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों से निजात के लिए मांगा था प्रस्ताव

- **देशभर के प्रमुख 9 शहरों में रायपुर शामिल, प्रथम फेस में छत्तीसगढ़ से रायपुर, उत्तरप्रदेश के कानपुर शहर के प्रस्ताव को मंजूरी**
- **दो वर्ष पूर्व जोन स्तर पर कराया था सर्वे, 98 क्षेत्रों को चिन्हांकित कर वार्डवार सूची के साथ समाधान का भेजा था सुझाव**

- *जलभराव के लिए इन इलाकों को किया था चिन्हांकित*
- *मोवा अंडरब्रिज से जब्बार नाला वाला क्षेत्र*
- *शंकरनगर वार्ड का अशोका टावर इलाका*
- *आनंद नगर के पास मौली पारा, राजातालाब क्षेत्र*
- *चूड़ीलाइन गोलबाजार- दुकानों में भरता है बारिश का पानी*
- *कुशालपुर दंतेश्वरी मंदिर के आसपास का क्षेत्र, प्रोफेसर कालोनी सेक्टर एरिया, हनुमान नगर, प्रयाग नगर, प्रियदर्शिनी नगर, व्हाइट वुड इटालिया के सामने*
- *उद्योग भवन से तेलीबांधा ब्रिज तक*
- *गोकुलनगर, अक्षत विहार, शाश्वत नगर*
- *बूढ़ेश्वर मंदिर से एमआर रोड ब्रम्हपुरी तक*
- *एनआईटी के सामने वाला क्षेत्र*
- *समता-चौबे कालोनी मुख्य मार्ग से कृष्णा टाकीज मोड़ तक*
- *भाठागांव में आछी तालाब अंतिम छोर से मुख्य नाला तक*
- *पीहर मैरिज पैलेस से खारुन नदी के समीप एसटीपी आउटलेट तक*
- *भाठागांव काठाडीह मुख्य मार्ग से नदी के पास स्थित एसटीपी तक*
- *दलदल सिवनी द्वारिका विहार, दयानगर, अवनिविहार*
- *मोवा की दुबे कालोनी*
- *लभांडी बस्ती, सांई नगर जोरा*
- *तेलीबांधा थाना के सामने*
- *विधायक विश्राम गृह के पास*
- *मेडिसाइन हास्पीटल से महात्मा गांधी नगर तक*
- *इसके अलावा जलभराव प्रभावित अन्य क्षेत्र जोन स्तर पर चिन्हांकित किए गए।*
- *220 करोड़ के प्लान में इस तरह से कार्य प्रस्तावित*
- *111 करोड़ की लागत से शहर में बड़ा नाला निर्माण की योजना*
- *तालाबों को आपस में जोड़ने का कार्य ताकि पारंपरिक जलस्त्रोत का संरक्षण हो सके।*
- *ब्लू ग्रीन ईंधन का कंसेप्ट*
- *रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य*
- *इको पार्क बनाए जाएंगे ताकि शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार हो*
- *बाढ़ आपदा के समय समय सीमा से पहले चेतावनी का सिस्टम*
- *शहर भर व्याप्त स्तर पर होगा सर्वे, ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय की जाएगी।*
- *यह कार्य राष्ट्रीय शहरी बाढ़ आपदा नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किया जाएगा।*

प्रस्ताव के मंजूरी का था इंतजार

शहर में जलभराव की समस्या पर लगातार काम कर रहे हैं इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन को पूर्व में प्रस्ताव भेजा गया, जिसकी मंजूरी का इंतजार था, प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है, जिसमें 200 करोड़ रुपए केंद्र से और राज्य का अंश 20 करोड़ रहेगा। इसकी 30 फीसदी राशि नगर निगम को जल्द मिलेगी। इससे शहर के जलभराव की समस्या दूर करने कार्य कराए जाएंगे।

मीनल चौबे, महापौर, रायपुर नगर निगम

पेज 11 के शेष

लंबी दूरी के लिए संचालित बस...

समान के अलावा अन्य किसी तरह से व्यावसायिक सामान का परिवहन नहीं करना है। बस ऑपरेटर एक स्थान से दूसरे स्थान पर माल ले जाने ऑनलाइन बुकिंग कर रहे हैं। लंबी दूरी के लिए बस संचालित करने वाले बस ऑपरेटर के कार्यालय यात्रियों के रुकने की जगह यार्ड के रूप में उपयोग हो रहे। हालत ऐसी है कि बस ऑपरेटर कई प्रमुख मार्गों की सर्विस रोड पर बस खड़ी कर बसों की छतों पर माल लोड करते आसानी से देखे जा सकते हैं।

डीजल का खर्च निकालने...

मिलता है। इस वजह से भी लंबी दूरी के लिए जो बसें संचालित हो रही हैं, उन बसों के ऑपरेटर माल लोड कर ले जाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

कार्रवाई नहीं होने से...

के नीचे बसों से माल परिवहन कर ले जाने का काम कर रहे हैं। परिवहन विभाग के फ्लाइंद स्क्वाड की टीम ऐसे बस ऑपरेटरों के खिलाफ कार्रवाई भी करती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति होती है। ऐसे बस ऑपरेटरों के खिलाफ चालानी कार्रवाई के नाम पर महज हजार पांच सौ रुपए की जुर्माना कार्रवाई होती है।

बस से चिल्हर नोटों का...

की जानकारी नहीं दे पाया। ऐसे में बसों के माध्यम से गैर कानूनी सामान की ट्रांसपोर्टिंग होने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

अफसर बोले तगड़ी...

उल्लंघन करने की कार्रवाई करने की बात कही है। परमिट शर्तों के अनुसार बस ऑपरेटर यात्रियों के एक निश्चित लगेज के अलावा अन्य किसी तरह का माल परिवहन नहीं कर सकते।

सिस्टम कमजोर होने से चढ़ेगा पारा...

इसके बाद गायब हो चुकी गर्मी बढ़ते तापमान के साथ लौटने की उम्मीद है। सोमवार को बादल साफ होने पर निकली धूप ने अपना तेज दिखाया और वातावरण में मौजूद नमी ने गर्मी की परेशानी को दोगुना कर दिया। रायपुर का अधिकतम तापमान आज 41.3 तक पहुंचा, वहीं बिलासपुर का सर्वाधिक तापमान 43 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अब अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होगी, मगर इसके प्रभाव से लू जैसे हालात बनने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में यह 26 के आसपास मानसून के केरल तक पहुंचने की वजह से हवा के साथ आने वाली नमी की मात्रा बढ़ जाएगी। इससे दिन की तुलना में रात को बेचैनी बढ़ेगी।

सफाई व्यवस्था चौपट, पांचवे दिन भी डोर...

सफाई कर्मचारियों की जिद को देखते हुए रामकी कंपनी ने नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती के विज्ञापन के पोस्टर जारी कर दिए। रामकी के सिटी हेड ने दो टूक शब्दों में कहा है कि अब नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती कर व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके लिए विज्ञापन के पोस्टर जारी कर दिए गए हैं। वार्ड पार्षदों से इस संबंध में सहयोग मांगा गया है। शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य ठप होने से सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। निगम प्रशासन और रामकी प्रबंधन के दावों के बावजूद राजधानी में लोगों के घरों से लगातार पांचवे दिन कचरा कलेक्ट नहीं हुआ। सफाई कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को पूरा कराने अड़े हुए हैं। सोमवार को रामकी के 269 छोटे सफाई वाहन में से केवल 87 गाड़ियां कुछ इलाकों में डोर टू डोर कचरा उठाने पहुंचीं, जबकि शहर के ज्यादातर इलाकों में गाड़ी वाला आया बाबू कचरा निकाल के भोंपू बजाती गाड़ियां नजर नहीं आईं। शास्त्री बाजार, गोलबाजार, एवरग्रीन चौक, मटन मार्केट, गणेशराम नगर, बाम्बे मार्केट क्षेत्र में जगह-जगह कूड़े के ढेर बिखरे नजर आए। नगर निगम के 10 जोन स्थित 70 वार्डों में कमोबेश यही स्थिति बनी रही।

श्रम विभाग, नगर निगम और रामकी के सफाई कर्मचारियों की बैठक आज: मंगलवार को श्रम विभाग, रामकी कंपनी के सफाई कर्मचारी, कंपनी प्रबंधन और नगर निगम के बीच सफाई कर्मचारियों की समस्या और हड़ताल से उपजे स्थिति को लेकर आवश्यक बैठक रखी गई है। इसमें सफाई कर्मचारियों की मांग और उनकी समस्याओं पर विचार किया जाएगा। महापौर मीनल चौबे ने रामकी के सिटी हेड को स्पष्ट चेतावनी दी है पुराने सफाई कर्मचारी यदि काम पर नहीं आ रहे, तो उनकी जगह नए कर्मचारियों की व्यवस्था कर सफाई व्यवस्था तत्काल सुधारी जाए। आम जनता को परेशानी हो रही है, यह बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी मांग के बीच सरकार अलर्ट...

भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों या भ्रम से प्रभावित होकर पैनिक बाइंग अथवा अनावश्यक भंडारण न करें। सरकार द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि उपभोक्ताओं को आवश्यकता अनुसार सुगमता से पेट्रोल और डीजल उपलब्ध हो सके। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेशभर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के लिए कुल 2516 पेट्रोल पंप संचालित हैं। बीते 13 और 14 मई को अचानक मांग बढ़ने के कारण पेट्रोल की खरीद में 43 प्रतिशत तथा डीजल की खरीद में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, कृषि कार्यों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग भी लगातार बढ़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ी हुई मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के लखौली और मंदिरहसौद (रायपुर) तथा गोपालपुर (कोरबा) स्थित डिपो से लगातार जिलों को पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की जा रही है। स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए रविवार अवकाश के दिन भी डिपो संचालित किए गए और लगभग 370 टैंकरों के माध्यम से ईंधन की आपूर्ति विभिन्न जिलों तक पहुंचाई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऑयल कंपनियों के सभी डिपो से प्रतिदिन दो शिफ्टों में मांग के अनुरूप ईंधन भेजा जा रहा है।

संग्रहालय से गायब रिकार्ड...

से रखी गई हैं। इनकी जानकारी ना होने की स्थिति में उन चीजों के बारे में भी बता पाना भी मुश्किल है जो गुम हो गई हैं अथवा चोरी हो गई हैं। अफसरों का कहना है, इसकी प्रतियां मप्र से लाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासनिक और कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ शोध, प्रलेखन और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में भी इस एक्सेशन रजिस्टर की अहम भूमिका होती है। इस वर्ष फरवरी माह में राष्ट्रपति छग प्रवास पर थीं। उस दौरान डबल लॉक के भीतर रखी गई दुर्लभ कलाकृतियों को देखने के लिए संबंधित कमरे को खोला गया था। तब ये रजिस्टर पूरी तरह से सुरक्षित थे। लगभग तीन माह के अंतराल में ही ये रजिस्टर नष्ट हो गए हैं। संग्रहालयों में रखी वस्तुएं दुर्लभ होती हैं। ऐसे में उनके रख-रखाव के लिए दीमक रोधी दवाइयों के साथ अन्य केमिकल का भी प्रयोग किया जाता है।

बिजनेस साइट

मैट्स विश्वविद्यालय और मनोरमा इंडस्ट्रीज के बीच एमओयू

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय ने छात्रों को उद्योगों से जोड़ने और व्यावसायिक अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए मनोरमा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह पहल विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा शुरू की गई। समझौते पर कंपनी के एवीपी-एचआर वी.के. सिंह तथा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत आइवरी कोस्ट, युगांडा, एस्वातिनी, जिम्बाब्वे, पापुआ न्यू गिनी, सूडान, लाइबेरिया, रवांडा और मोजाम्बिक सहित विभिन्न देशों से आए अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित कंपनी इकाई का दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने उत्पादन प्रक्रियाओं, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और टिकाऊ औद्योगिक पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की।

इंडियन बैंक ने आयोजित किया ऋण स्वीकृति पत्र वितरण शिविर

रायपुर। इंडियन बैंक द्वारा एक विशेष ऋण स्वीकृति पत्र वितरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पात्र ग्राहकों को लगभग 800 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। यह शिविर क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय, भुवनेश्वर के कार्यक्षेत्र अंतर्गत रायपुर सहित चार अंचलों में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय से मुख्य महाप्रबंधक सुजय मल्लिक तथा क्षेत्र महाप्रबंधक कनका एस वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि बैंक ग्राहकों को बेहतर सेवाएं एवं प्रतिस्पर्धात्मक ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप सरल एवं सुलभ ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी। कार्यक्रम के अंत में अंचल प्रबंधक रूपेश अग्रवाल ने उपस्थित ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आईटीएम विश्वविद्यालय में मध्यस्थता और आर्बिट्रेशन पर राउंड टेबल सम्मेलन आयोजित

रायपुर। आईटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरे राउंड टेबल सम्मेलन में न्यायपालिका, विधि विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने मध्यस्थता एवं आर्बिट्रेशन की बदलती भूमिका पर गंभीर चर्चा की। कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राम प्रसन्न शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि आर्बिट्रेशन न्याय व्यवस्था के लिए 'वरदान' साबित हो सकता है, जिससे अदालतों पर बढ़ते मामलों का बोझ कम कर सकता है। मुख्य वक्ता अधिवक्ता इरम माजिद ने आपसी सहमति आधारित विवाद समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने मध्यस्थता अधिनियम 2023, व्यापारिक विवादों में अनिवार्य मध्यस्थता, डिजिटल मध्यस्थता और कानूनी प्रक्रियाओं में तकनीक के उपयोग जैसे विषयों पर विचार रखे। आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आरएस जहागीरदार ने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली न्याय प्रक्रिया को अधिक तेज, प्रभावी और सुलभ बना रही है। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

:: उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की प्राप्ति हेतु ::
(आदेश - 5, नियम - 20 एवं 151 व्यवहार प्रक्रिया संहिता)
न्यायालयः- कुमारी खिलेश्वरी सिन्हा षष्ठम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, रायपुर छ.ग.

पेशी तारीख 17.06.2026
उत्तराधिकार प्र.क्र.- 52/2026, प्रो.क्र. 330/26
रूखमणी यदु .... आवेदिका
बनाम
रूखमणी यदु व अन्य ...... अनावेदकगण
प्रति,
आम जनता जिसका इस केस से संबंध हो।
जो कि आवेदक के मृतक पिता/पति स्व. श्री ढेलू राम यदु के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु इस न्यायालय में पेशी 17.06.2026 को दिन प्रातः 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए समंस किया जाता है। आप इस न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसके सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करें जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।
अतः आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
नोटः- यदि किसी कारणवश आगामी पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा यह
आज तारीख 08.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर से अधिकरण की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
रायपुर छ.ग.
दिनांक 08.05.2026
(कुमारी खिलेश्वरी सिन्हा)
मुहर
षष्ठम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर छ.ग.

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-07 (मोवा) तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
सीमांकन के संबंध में आम सूचना
दिनांक 14/05/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका युगल किशोर साहू पिता शिवनारायण साहू निवासी रावन हिरमी द्वारा आवेदित ग्राम दलदल सिवनी प.ह.नं. 41 राजस्व निरीक्षक मंडल मोवा रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 265/5 रकबा 0.0100 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर रा.प्र.क्र./ज्ञापन/अ-12/वर्ष 2025-26 रायपुर आदेश दिनांक 13/05/2026 के परिपालन में दिनांक 05/06/2026 को 12.00 बजे पश्चात् किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो वह उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 41 के पटवारी स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-07 मोवा

तीन दिवसीय निशुल्क मोटापा निवारण योग शिविर का शुभारंभ

- *पहले दिन 'मोटापा एवं वजन नियंत्रण' पर विशेष योग*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय योग संस्थान द्वारा श्रीकृष्णा नगर गुड़ियारी में तीन दिवसीय निःशुल्क मोटापा निवारण योग शिविर का भव्य शुभारंभ श्रीमती वंदना आहूजा, शिव नारायण मूंधड़ा, नीतू मूंधड़ा, पूजा वाधवानी, भारती मखीजा के कर कमलों से दीप प्रज्वलन करके हुआ। साथ ही कांताजी का भजन सबको लुभाया। शिविर में लगभग 100 लोगों ने हिस्सा लिया। इसके पश्चात संगीत के साथ सूक्ष्म क्रियाओं का अभ्यास मनीषा व पुष्पा ठाकुर ने मस्ती के साथ कराया। विभिन्न आसनों का अभ्यास पूजा, वर्षा, अनामिका, संगीता व शशि ने कराया। वंदना के हास्यासन से लोगों में मस्ती छा गई साथ ही उन्होंने शुद्धि क्रियाओं की भी जानकारी दी। नीतू ने अग्निसार व कपालभाति की बारीकियां को समझाते हुए कराया। हस्त मुद्राओं से भी वजन को संतुलित किया जा सकता है इसको रोचक ढंग से शिव नारायण मूंधड़ा ने बताया। कार्यक्रम का समापन दो बालिकाओं आरोही व रोमिका शर्मा द्वारा नृत्य के साथ किया। कार्यक्रम का सफल संचालन 14वर्षीय बालक ओम अग्रवाल द्वारा किया गया। यह शिविर 20मई तक चलेगा और इसमें कोई भी भाग ले सकता है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

देवपुरी गोदड़ीवाला धाम में 'साओ मंगल' आज

रायपुर। देवपुरी स्थित पूज्य गोदड़ीवाला धाम में 19 मई को साओ मंगल का कार्यक्रम होगा। साथ ही भंडारा साहेब बाबा की महाप्रसादी का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम गोदड़ीवाले संत बाबा हरदासराम साहेब व सतगुरु बाबा गेलाराम साहेब के आशीर्वाद से व महंत अम्मा मीरादेवी के सानिध्य में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान शाम 7 से 8 बजे तक आरती साहेब व 8 बजे से 8.55 बजे तक भजन, सत्संग सिमरन होगा। यह जानकारी दरबार के सेवादारी इंदर सचदेव, हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी, दिलीप इसरानी ने देते हुए बताया कि रात्रि 8.55 बजे गुरु बाबा गेलाराम साहेब की देवरी पर माल्यार्पण महंत व बाबा भक्तों द्वारा किया जाएगा। रात्रि 9 बजे से 9.30 बजे तक बाबा की मुराद पूरी करने वाली पावन मदाह साहेब व धूनी साहेब का पाठ होगा।

दवा दुकान बंद को कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ का समर्थन

रायपुर। ऑनलाइन दवा कंपनियों के विरोध में 20 मई को देशव्यापी दवा बाजार बंद को कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने अपना समर्थन दिया है।प्रदेश अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता ने कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ स्थानीय व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पित है। दवा विक्रेताओं का यह संघर्ष केवल उनका व्यक्तिगत संघर्ष नहीं है, बल्कि यह उन सभी की आवाज है जो इस प्रकार ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं एवं जिन्हें इससे संबंधित दुष्परिणामों की जानकारी है। उन्होंने मांग की है कि शासन प्रशासन स्थानीय व्यापारियों के हितों एवं जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित नीतिगत निर्णय लिए जाएं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दवा कंपनियों की वजह से स्थानीय छोटे और मंझोले व्यापारियों के अस्तित्व पर संकट गहरा गया है। दवाओं जैसी संवेदनशील वस्तु की ऑनलाइन बिक्री में गुणवत्ता और नियमों की अनदेखी होने की आशंका बनी रहती है, जो जनस्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है।

'डर्मोस्कोपी की संभावनाओं को समझना' विषय पर एम्स में सीएमई

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के त्वचा रोग विभाग द्वारा इंडियन एसोशिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनरोलॉजिस्ट एंड लेपरोलॉजिस्ट छत्तीसगढ़ था डर्मेटोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 17 मई को "डर्मोस्कोपी की संभावनाओं को समझना" विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से 70 से अधिक त्वचा रोग विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम क्षेत्र के प्रमुख शैक्षणिक त्वचा रोग आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ अशोक जिंदल सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। डर्मोस्कोपी एक गैर-आक्रामक निदान तकनीक है, जिसके माध्यम से त्वचा, बाल एवं नाखूनों की उन सूक्ष्म संरचनाओं का आवर्धित अवलोकन किया जा सकता है, जो सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देतीं।

निसंतान दंपति निजी अस्पतालों के भरोसे, सरकारी आईवीएफ सेंटर अभी भी प्रक्रियाओं में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश के निसंतान दंपति संतान सुख की खातिर अभी भी निजी संस्थानों के भरोसे है। आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरकारी यानी आंबेडकर अस्पताल में इसकी स्थापना के लिए 10 करोड़ स्वीकृत किया गया था। सालभर बीतने के बाद भी यह योजना प्रक्रियाओं से बाहर नहीं आ पाई है। निजी अस्पतालों में इसके लिए लाखों रुपए खर्च होते हैं और आंबेडकर अस्पताल में यह सुविधा कम खर्च अथवा आयुष्मान योजना से पूरी हो जाएगी।

प्रदेश में अभी 20 से ज्यादा निजी आईवीएफ सेंटर संचालित हो रहे हैं, जहां बड़ी संख्या में निसंतान दंपति संतान प्राप्ति के लिए इलाज के लिए जाते हैं। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शासन ने यह सुविधा शासकीय स्तर पर उपलब्ध कराने की योजना बनाई थी। आंबेडकर अस्पताल में यह संस्थान बनाने के लिए पिछले साल बजट में 10 करोड़ का प्रावधान किया था। अस्पताल प्रबंधन और वहां से जुड़े चिकित्सक इसकी जरूरत काफी समय से महसूस कर रहे थे, इसलिए माना जा रहा था कि यह सुविधा जल्द ही प्रारंभ की जा सकती है, मगर यह संस्थान प्रक्रियाओं के जाल से बाहर नहीं निकल पाया है।

आईवीएफ सेंटर बनाने के लिए पहले पुराने भवन में संचालित विभाग को चयन किया गया था, मगर बाद में अस्पताल में बनने वाले नए एकीकृत भवन को इसके लिए उपयुक्त माना गया था। बाद में इसके लिए पृथक से जमीन की तलाश शुरू की गई थी जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। अस्पताल से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि आंबेडकर अस्पताल में यह संस्थान खुलने से मरीजों को काफी राहत मिलेगी।

पिछले साल स्वीकृत हुए थे 10 करोड़, अब तक नहीं बन सकी योजना

पदों पर भर्ती की योजना

आईवीएफ सेंटर बनाने के लिए कुछ अतिरिक्त विशेषज्ञों की व्यवस्था करनी होगी। इसमें एंड्रोलॉजिस्ट का एक पद, एंब्रियोलॉजिस्ट के दो, एमएससी बायो टेक्नोलॉजिस्ट के चार व काउंसलर के दो पदों पर भर्ती करने की आवश्यकता होगी। सूत्रों के मुताबिक इसके प्रक्रिया भी अब तक शुरू नहीं हो पाई है। आने वाले दिनों में एम्स में भी यह सुविधा प्रारंभ करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

हर महीने 50 से ज्यादा मरीज

आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में हर माह पचास से ज्यादा ऐसे मरीज आते हैं जो आईवीएफ प्रक्रिया से संतान प्राप्ति के इच्छुक होते हैं। यहां सुविधा नहीं होने की वजह से मरीजों को किसी निजी अस्पताल में जाकर इलाज कराने की सलाह दी जाती है। कई मरीज आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण मन मसोसकर रह जाते हैं।

प्रभावित परिवारों ने किया निगम का घेराव, नेता प्रतिपक्ष से मिले

केनाल रोड 2.0 के सर्वे से मचा हड़कंप नापजोख से घर टूटने का जताया अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत 7 सड़कों का चौड़ीकरण और निर्माण होगा। इनमें केनाल रोड 2.0 यानी कलर्स माल के पीछे से भाठागांव मार्ग तक 4.5 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए कराए जा रहे सर्वे में नहर पट्टी से लगी सरकारी जमीन पर बसी बस्तियां दायरे में आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के रहवासियों ने सड़क चौड़ीकरण को लेकर मकानों की नापजोख पर ऐतराज जताते हुए निगम मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

उनका कहना है कि योजना में सड़क को 80 फीट करने का प्रावधान किया गया है, जबकि वहां 30 फीट में भी पर्याप्त जगह है। इसीलिए सड़क चौड़ीकरण की जरूरत वहां नहीं है। इससे हजारों परिवार प्रभावित होंगे। प्रभावित बस्ती के रहवासियों ने निगम मुख्यालय में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई।

गांधी सदन में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के पास पहुंचे, बताई परेशानी

नेता प्रतिपक्ष ने दिलाया भरोसा, आशियाना बचाने सड़क की लड़ाई लड़ेंगे

महापौर ने अधिकारियों से कहा- चौड़ीकरण के दायरे वाले प्रभावितों से करें चर्चा

चार वार्डों के 1 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित होने का अंदेशा

राजधानी के गुरुमुख नगर पचपेड़ी नाका से भाठागांव तक सुगम आवागमन के लिए नगर उत्थान योजना के तहत केनाल रोड 2.0 बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इसके लिए लोक निर्माण, राजस्व विभाग, नगर निगम जोन 6 की संयुक्त टीम सर्वे कर सड़क चौड़ीकरण क्षेत्र दौरान दायरे में आ रहे मकानों की नापजोख कर रही है। इसमें चार वार्डों के 1 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित होने का अंदेशा है। प्रभावित परिवारों ने नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर नारेबाजी की। बिना किसी स्पष्ट पुनर्वास नीति या संतोषजनक जवाब के घरों की नापजोख की जा रही है, इससे उनके घरों के टूटने का अंदेशा बना हुआ है। साथ ही उन्हें घरों के कागजात लेकर जोन दफ्तर आने का आदेश भी दिया जा रहा है। इससे महिलाओं और बुजुर्गों में भय व्याप्त है। प्रभावितों ने नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से निगम मुख्यालय में उनके कक्ष में मुलाकात कर कहा कि हम आपके पास अपनी परेशानी लेकर आए हैं। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त कर कहा कि सड़क चौड़ीकरण के नाम किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सभी के आशियाना को बचाने जरूरत पड़ी, तो सड़क की लड़ाई लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे।

संस्कृत विद्यामंडलम भी देगा अनुत्तीर्ण छात्रों को द्वितीय अवसर, पर्चे एक जून से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम नवमी से बारहवीं कक्षा तक मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण छात्रों को द्वितीय अवसर प्रदान करेगा। संस्कृत बोर्ड द्वारा द्वितीय मुख्य परीक्षा की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह परीक्षा 1 जून से 9 जून तक आयोजित होगी।

मंडलम ने परीक्षा संचालन को सुचारु, पारदर्शी एवं गोपनीय बनाए रखने हेतु केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्षों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। मंडलम् द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रश्न पत्रों की सेटिंग, मॉडरेशन, टंकण एवं मुद्रण का कार्य अत्यंत संवेदनशील होता है, इसलिए प्रश्न पत्रों के पैकेट खोलने एवं वितरण के दौरान विशेष सावधानी बरती जाए। परीक्षा दिवस पर प्रश्न पत्रों के पैकेट परीक्षा प्रारंभ होने के 15 से 20 मिनट पूर्व केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की उपस्थिति में खोले जाएंगे तथा विषय एवं तिथि का मिलान सुनिश्चित किया जाएगा। किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर तत्काल मंडलम कार्यालय को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया में साझा नहीं कर सकते जानकारी

मंडलम ने परीक्षा संबंधी किसी भी जानकारी को सोशल मीडिया में साझा न करने की हिदायत देते हुए नकल रोकने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। जिला स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे। परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्था के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। परीक्षा संचालन के दौरान किसी भी कठिनाई की स्थिति में मंडलम् द्वारा जारी नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिए गए हैं।

परीक्षा केंद्रों में ही प्रायोगिक परीक्षाएं : जारी समय-सारिणी के अनुसार परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षार्थियों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा कक्ष में उपस्थित होना होगा। उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण 9:5 बजे तथा अध्ययन के लिए प्रश्न पत्र 9:10 बजे वितरित किए जाएंगे। उत्तर लेखन कार्य सुबह 9:15 बजे से प्रारंभ होगा। मंडलम ने स्पष्ट किया है कि स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं परीक्षा केंद्रों में ही आयोजित होंगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अवकाश के दिनों में भी प्रायोगिक परीक्षाएं ली जा सकेंगी। परीक्षा अवधि के दौरान शासन द्वारा किसी प्रकार का अवकाश घोषित किए जाने पर भी परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रमानुसार आयोजित होंगी।

निरंजन धर्मशाला के कब्जे से नाले की जमीन मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 9 के नगर निवेश विभाग ने दशकों से निरंजन धर्मशाला के कब्जे में रहे वीआईपी रोड फुंडहर स्थित सरकारी नाले की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 9 कमिश्नर राकेश शर्मा के मार्गदर्शन में कार्यपालन अभियंता शरद देशमुख, उपअभियंता सैयद जोहेब सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी और लाल बहादुर शास्त्री वार्ड पार्षद रेणु जयंत साहू ने वीआईपी रोड स्थित सरकारी नाले की जमीन पर अवैध कब्जा होने की शिकायत कर संबंधित जमीन के सीमांकन की मांग जोर-शोर से उठाई। उनका कहना था कि निजी हॉटल, धर्मशाला वालों ने नाले की शासकीय जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है, इससे नाले की जमीन का दायरा कम हो गया है। नाला चौड़ीकरण से पूर्व शासकीय जमीन का सीमांकन कराया जाए जिससे वस्तु स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जोन 9 कमिश्नरी को इस संबंध में शिकायत करने के बाद भी जब नाले की जमीन के सीमांकन में उदासीनता बरती गई, तब तत्कालीन निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नाला सीमांकन कराया गया। इसमें नाले की जमीन पर अतिक्रमण होना पाया गया।

- वीआईपी रोड में फुंडहर स्थित 0.1100 हेक्टयेर सरकारी नाले की जमीन को कराया कब्जा मुक्त
- नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, वार्ड पार्षद रेणु जयंत साहू ने उठाया था मामला

'वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स इन इंडिया 2026' रैंकिंग में एम्स शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एम्स ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित न्यूजवीक "वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स 2026" रैंकिंग में देश के अग्रणी अस्पतालों में स्थान प्राप्त किया है। संस्थान को भारत के सर्वश्रेष्ठ सरकारी अस्पतालों में 6वां तथा नए एम्स संस्थानों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।
यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता अस्पताल की गुणवत्ता, विशेषज्ञों की सिफारिश, मरीजों के अनुभव जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर दी गई है। संस्थान ने फैकल्टी की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद लगातार प्रगति की है। संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों में मध्य भारत की पहली सरकारी रोबोटिक सर्जरी सुविधा "देवहस्त", छत्तीसगढ़ की पहली बीएसएल-3 प्रयोगशाला की स्थापना, किडनी प्रत्यारोपण, आधुनिक न्यूक्लियर मेडिसिन सुविधाओं का विस्तार, दूसरी कार्डियक कैथ लैब का शुभारंभ, अत्याधुनिक एआई लैब की स्थापना तथा सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की शुरुआत शामिल हैं।

डीडी नगर में अघोषित बिजली बंद, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि डीडी नगर क्षेत्र में अघोषित बिजली बंद की शिकायत और हर बार 33 केवी बंद है, का बहाना विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जाता है। बिजली को लेकर आम जनता तकलीफ झेल रही है। आये दिन लो वोल्टेज एवं एक फेस गोल होना आम बात हो गयी है। मामले को लेकर विद्युत विभाग के कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया गया।

उन्होंने कहा, वार्ड के जर्जर तारों और ट्रांसफार्मर मेंटेनेंस के काम का हमेशा बहाना किया जाता है, जबकि इसे युद्धस्तर पर दुरुस्त किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा, बिजली विभाग मुख्यमंत्री का विभाग है, लेकिन सबसे ज्यादा अव्यवस्था देखने और सुनने को मिल रही है। विभाग द्वारा जारी कस्टमर केयर का नंबर हमेशा व्यस्त रहता है। अगर यह व्यवस्था जल्द दुरुस्त नहीं की जाती है, तो जनता सड़क पर उतरेगी।

सिवनी में लगा शिविर

रायपुर। ग्राम पंचायत सिवनी में सुशासन तिहार के तहत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर लगा। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में आसपास के 20 गांवों से ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं एवं मांग को लेकर आवेदन दिए। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1430 आवेदन आए, जिनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब रहे। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली।

एसडीओ पर मंत्री के नाम पर वसूली के आरोप, जांच करने पहुंचे सीसीएफ, डीएफओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

नंदनवन पक्षी विहार में पदस्थ रेंजर द्वारा अपने एसडीओ के खिलाफ मंत्री के नाम पर वसूली करने के आरोप पत्र वायरल होने की घटना को वन विभाग के अफसरों ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में रेंजर द्वारा अपने अफसर के खिलाफ लगाए आरोप के साथ आरोप की पीडीएफ कॉपी हरिभूमि ने रविवार को प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद सीसीएफ मणिवासगन तथा प्रभारी डीएफओ रायपुर वनमंडल रविवार को अवकाश के दिन जांच करने नंदनवन पहुंचे।

सूत्रों के मुताबिक जांच करने पहुंचे अधिकारी करीब तीन घंटे तक नंदनवन में रहे। इस दौरान कर्मचारियों के मोबाइल की भी जांच की गयी। अफसर शिकायतों के साथ-साथ इस बात की भी तस्दीक करना चाह रहे थे कि आखिरकार शिकायती पत्र को मीडिया में किसने वायरल किया। अलग-अलग कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए गये। साथ ही रेंजर की उस शिकायत की भी पड़ताल की गयी, जिसमें फर्जी बिल बनाकर भुगतान कराने और पैसा मंत्री तक पहुंचाने की बात कही गयी थी। बताया जा रहा है कि सीसीएफ के सामने उस बिल को भी रखा गया, जिसके भुगतान का दवाब एसडीओ रेंजर पर डाल रहे थे। बिल भुगतान को लेकर एसडीओ ने जो दलील दी, उससे जांच टीम संतुष्ट नहीं दिखी। इस पूरे प्रकरण को लेकर अफसरों का कहना है कि उन लोगों ने अपनी जांच रिपोर्ट तैयार कर वन मुख्यालय को भेज दी है। किसी भी तरह की कार्रवाई को लेकर मुख्यालय द्वारा निर्णय लिए जाने की जानकारी अफसरों ने दी है।

रेंजर की डीएफओ को चिट्ठी, वसूलीबाज एसडीओ से बचाएं, वनमंत्री के नाम से वसूली के आरोप

- अवकाश के दिन नंदनवन प्रबंधन को बुलाकर घंटों पूछताछ की

रेंजर, एसडीओ दोनों पर गिर सकती है गाज

नंदनवन में अफसरों के विवाद के चलते विभाग की छवि को बुरी तरह से बट्टा लगा है। एसडीओ राजेंद्र प्रसाद दुबे दो माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं। नंदनवन को वन्यजीव से हटाकर सामान्य वनक्षेत्र में चार माह पूर्व ही जोड़ा गया है। नंदनवन को संवारने वनमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल है। इस बात को ध्यान में रखते हुए विभागीय अफसर आरोप लगाने वाले रेंजर हिमांचल साहू तथा एसडीओ राजेंद्र प्रसाद दुबे के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। विभागीय अफसर इस बात को लेकर सबसे ज्यादा खफा हैं कि शिकायत पत्र को आखिर किसने मीडिया में लीक किया।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, मंगलवार 19 मई 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने महिला...

लाइव इवेंट

सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल के 9175 पदों पर आवेदन आज से होंगे शुरू

रायपुर। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में कॉन्स्टेबल (टेक्निकल/ ट्रेड्समैन/ पायनियर- मेल/ फीमेल) के 9175 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती चल रही है। भर्ती में शामिल होने के लिए आवेदन की लास्ट डेट 19 मई 2026 निर्धारित है। ऐसे में जो भी युवा सीआरपीएफ में शामिल होने का सपना देख रहे हैं वे इस भर्ती में शामिल होने के लिए बिना देरी करते हुए तुरंत ही आवेदन कर लें। आज के बाद एप्लीकेशन विंडो क्लोज कर दी जाएगी। अगर फॉर्म भरने में किसी प्रकार की गलती हो गई है तो ऐसे उम्मीदवार 21 से लेकर 23 मई 2026 तक आवेदन पत्र में संशोधन कर सकेंगे।

कहां और कैसे भरा जा सकता है फॉर्म

इस भर्ती में शामिल होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म केवल ऑनलाइन माध्यम से सीआरपीएफ की ऑफिशियल वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाकर भरा जा सकता है। आपकी सहूलियत के लिए इस पेज पर भी आवेदन का लिंक एवं स्टेप्स उपलब्ध करवाई जा रही हैं जिनको फॉलो करके आसानी से आवेदन किया जा सकता है।इस भर्ती में आवेदन पत्र भरने के साथ जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग को फीस के रूप में 100 रुपये जमा करना होगा। एससी, एसटी वर्ग से आने वाले अभ्यर्थी भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क फॉर्म भर सकते हैं।

योग्यता एवं मापदंड

सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्था से मैट्रिकुलेशन (10th) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके साथ ही पद के अनुसार उम्मीदवार के पास संबंधित ट्रेड में अनुभव/ ITI सर्टिफिकेट/ हैवी ट्रांसपोर्ट वेहिकल ड्राइविंग लाइसेंस आदि होना चाहिए। 1 जनवरी 2026 को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार की आयु कॉन्स्टेबल ड्राइवर पद के लिए 21 से 27 वर्ष और अन्य सभी पदों के लिए 18 से 23 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को उम्र में नियमानुसार छूट मिलेगी। पद के अनुसार विस्तृत डिटेल चेक करने के लिए नोटिफिकेशन का अवलोकन कर सकते हैं।

● पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स, मैजिक बुक्स, बैग, कम्पास, यूनिफार्म जैसे जरूरी सामान की खरीदारी शुरू

नौनिहालों के लिए अभिभावक ढूंढ रहे यूनिक स्टेशनरी कलेक्शन, कार्टून कैरेक्टर्स प्रिंटेड स्कूली गैजेट्स पहली पसंद

गर्मी की छुट्टियों के चलते स्कूल खुलने में फिलहाल देर है, लेकिन पैरेंट्स अभी से ही पहली बार नर्सरी कक्षा में जाने वाले बच्चों के लिए यूनिक स्टेशनरी कलेक्शन ढूंढना शुरू कर दिए हैं। इसमें पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स, मैजिक बुक्स, वाटर कलर्स, कलर पेंसिल, बॉल पेन, बैग, कंपास बॉक्स आदि जरूरी स्टेशनरी के सामान शामिल हैं। गौरतलब है कि छोटे बच्चों को डोरेमोन, मिकी माऊस, स्पाइडरमैन, कार्टून, जंगली जानवर आदि प्रिंट वाले स्कूली गैजेट्स काफी पसंद आते हैं।

रायपुर। पैरेंट्स बच्चों के पसंद के साथ-साथ उनके लिए कम्फर्ट स्टेशनरी का कलेक्शन करना चाहते हैं। शहर के गोलबाजार, सदरबाजार रोड स्थित स्टेशनरी शॉप में खासकर बच्चों के इंट्रेस्ट का अच्छा खासा कलेक्शन नजर आ रहा है। पैरेंट्स भी बच्चों के लिए स्टेशनरी खरदीने पहुंच रहे हैं। शहर के स्टेशनरी विक्रेता विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस बार भी सभी किस्म की यूनिक स्टेशनरी उपलब्ध है, गर्ल्स, ब्वॉयज दोनों के हिसाब से स्पेशली नर्सरी फर्स्ट के बच्चों के लिए बजट में कार्टून प्रिंटेड, कम्फर्ट स्टेशनरी गैजेट्स उपलब्ध हैं।

बच्चों को भा रहे रैबिट पांडा वाटर बॉटल

हल्की होने के साथ-साथ पानी को सामान्य तौर पर कूल रख सके, ऐसे में इस सीजन में रैबिट व पांडा की डिजाइन वाली 800 से 900 एमएल की प्रिंटेडे स्टेनलेस सहित अच्छी क्वालिटी की प्लास्टिक वाटर बॉटल बच्चों के लिए स्टेशनरी शॉप पर उपलब्ध है। इसके अलावा स्पाइडरमैन, आयरमैन, बेबी डॉल, प्रिंसेस प्रिंट, लेडी सुपरहीरो, एनिमल्स प्रिंट में मगरमच्छ, डॉल्फिन बच्चों के आकर्षित करते हुए प्रिंटेड पानी बॉटल 100 से 150 रुपए तक की रेंज में मिल रही हैं।

10 इन वन फन ब्लास्ट बॉल पेन

बच्चों के लिए वाटर कलर बॉक्स सेट के अलावा 10 इन वन फन ब्लास्ट नाम से बॉल पेन भी आई हुई है। वाटर कलर्स व कलर बॉल पेन, कलर पेंसिल बच्चों के सबसे पसंद व उपयोगी स्कूली सामान में से एक है। स्पाइडरमैन, कैप्टन अमेरिका, हल्क, बार्बी गर्ल प्रिंट वाले कंपास बॉक्स, पेंसिल, स्लेट, पहाड़ा, रेजर्स का कलेक्शन आया है।

कल्पना को पंख देते मैजिक बुक्स

बात करें ड्राइंग बुक व मैजिक बुक्स की तो एनिमल्स, फ्रूट्स, वेजिटेबल्स के की चित्र बने हुए हैं। मैजिक बुक्स व अन्य आकर्षक ड्राइंग बुक्स बच्चों को खेल-खेल में सीखने व नेचर को पहचानने में काफी मददगार होते हैं। मैजिक बुक्स में शेर, जिराफ, बंदर, हाथी जैसे जानवरों, आम, अंगूर, अनार, फूल गोभी, टमाटर आदि के बने चित्रों को वाटर पेन से स्केच कर बच्चे रोमांचित हो रहे।

सुपरहीरो बेनटेन एंड एमसन के टिफिन बॉक्स

किड्स टिफिन बॉक्स कलेक्शन में इस बार नया सुपरहीरो बेनटेन एंड एमसन के कार्टून प्रिंट के स्टेनलेस हेल्दी टिफिन बॉक्स पहुंचे हैं।बच्चों के पसंद के अनुरूप पर्याप्त स्पेस वाले ये टिफिन बॉक्स 200 से 400 रुपए तक की रेंज में उपलब्ध हैं, जिसमें फ्रूट्स, रोटी, सब्जियों के लिए अलग-अलग पार्ट बने हुए हैं। टिफिन बॉक्स स्कूली बच्चों के स्कूल किट में सबसे महत्व का चीज है, पैरेंट्स उसी के हिसाब से टिफिन बॉक्स को एड कर रहे हैं, ताकि वे जो फूड्स टिफिन में डालें, वह फ्रेश रहें।

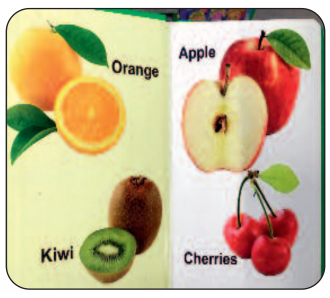

सिटी इवेंट

शहर से दूर जाकर पढ़ाई करना जरूरी नहीं, छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में सभी फील्ड का मिल सकता है पसंदीदा कोर्स

बारहवीं के बाद कॅरियर संवारने के मिलेंगे हजारों मौके, काबिलियत को पहचानें, यही दिलाएगी सफलता

रायपुर। बोर्ड एग्जाम के परिणाम आने के बाद अब स्टूडेंट्स कॅरियर चुनने के लिए कॅरियर काउंसलर से मिल रहे हैं, जो उन्हें उनकी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का रास्ता बता रहे हैं। काउंसलर का कहना है कि स्टूडेंट्स अब ऐसे पढ़ाई करना चाहते हैं, जिससे नौकरी लग सके। काउंसलर विवेक वर्मा ने बताया कि स्टूडेंट्स का समझा रहे हैं कि हर साल बारहवीं के बाद कॅरियर संवारने के सैकड़ों, हजारों मौके हमारे पास आते हैं, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अक्सर हमारी काबिलियत क्या है। हम क्या और किस क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। हमारे लिए कौन-सा विषय अच्छा रहेगा। हम किस तरह अपनी रुचि के विषय को अपने ड्रीम कॅरियर तक पहुंचने का जरिया बना सकते हैं। कॅरियर चुनते समय आपका व्यक्तित्व अहम भूमिका निभाता है, इसलिए करियर ऐसा चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के साथ-साथ आपकी रुचि के अनुकूल हो और इसके लिए आपको अपने बारे में, अचेतन प्रेरणाओं तथा अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के बारे में पता होना चाहिए।

कॅरियर ओरिएंटेड स्टडी पर करें फोकस

काउंसलर डॉ. आनंद कश्यप का कहना है कि स्टूडेंट्स इस बात का विशेष ध्यान रखे कि हमें बारहवीं के बाद तुरंत ही अगर कुछ अच्छा कॅरियर पाना है तो हम कॅरियर ओरिएंटेड स्टडी पर फोकस करें। ध्यान रखें कि हम डॉक्टर बनना चाहते हैं या आर्किटेक्ट, डिफेंस सर्विसेज में जाना चाहते हैं या सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य तलाशना चाहते हैं, सभी के लिए हमें एक अच्छे से इंस्टिट्यूट और कोर्स में एडमिशन लेना होगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि इंजीनियरिंग, लॉ, फैशन डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर, मैनेजमेंट, सोशल साइंसेज, मेडिकल और मैथ्स, स्थेटिक्स, एग्रीकल्चर, इकोनॉमिक्स तथा साइंस आदि विषयों में देशभर में अलग-अलग तरह के टेस्ट होते हैं। इनमें अच्छा स्कोर करने से ही हमें अपनी पसंद के किसी अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन मिल सकता है।

क्वालिफाई नहीं हुए तो दुखी होने की जरूरत नहीं

एक बात यह भी है कि बारहवीं के बाद एविएशन हास्पिटैलिटी, रिटेल बिजनेस, सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस एंड ऑफिस मैनेजमेंट, वोकेशनल एजुकेशन जैसे ऑप्शन्स भी करियर के नए और अच्छे विकल्प खोलते हैं। हमारे आसपास ही कई इंस्टिट्यूट होते हैं, जो इस तरह के सब्जेक्ट्स में स्टडीज के ऑप्शन्स देते हैं, इसलिए यह कतई जरूरी नहीं कि अब आपको कुछ नया कोर्स करने के लिए अपने कस्बे या शहर से बहुत दूर जाकर ही पढ़ाई करने की जरूरत है। आसपास के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाकर आप पता करेंगे तो वहां पर भी आपकी पसंद का कोई अच्छा कोर्स आपको मिल सकता है। एक बात और ध्यान रखें कि अगर बारहवीं के दौरान कोई अच्छा टेस्ट आप क्वालिफाई नहीं कर पाए तो इसके लिए दुखी होने की जरूरत नहीं।

भगवान अवलोकितेश्वर की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा लाएंगे छत्तीसगढ़, संग्रहालय में होगी स्थापित

रायपुर। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चोरी हुई भगवान अवलोकितेश्वर की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा छत्तीसगढ़ लौटने की तैयारी में है। लगभग 19 करोड़ रुपए मूल्य की यह ऐतिहासिक प्रतिमा अमेरिका से भारत लाई जा रही है और राज्य सरकार इसे फिर से रायपुर स्थित संग्रहालय में स्थापित करने की दिशा में सक्रिय पहल कर रही है। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर प्रतिमा को छत्तीसगढ़ वापस भेजने का आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार, प्रतिमा अभी भारत नहीं पहुंची है, लेकिन उसके भारत आगमन के बाद राज्य शासन उसे रायपुर लाने और पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाएगा। संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल प्रतिमा की रिसीविंग के लिए दिल्ली जाने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने हाल के वर्षों में भारत को करीब 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन और ऐतिहासिक कलाकृतियां लौटाई हैं। इन्हीं बहुमूल्य धरोहरों में महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चोरी हुई 'अवलोकितेश्वर' की यह दुर्लभ कांस्य प्रतिमा भी शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और चोरी हुई भारतीय धरोहरों की वापसी की दिशा में इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सिरपुर की गौरवशाली विरासत की प्रतीक है यह प्रतिमा

यह प्रतिमा वर्ष 1939 में महासमुंद जिले के विश्वविख्यात पुरातात्विक स्थल सिरपुर स्थित लक्ष्मण मंदिर परिसर के पास मिली थी। यह उस क्षेत्र में प्राप्त कांस्य प्रतिमाओं के एक बड़े भंडार का हिस्सा थी। बाद में इसे सुरक्षित संरक्षण के लिए रायपुर स्थित महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में रखा गया था, लेकिन प्रतिमा चोरी हो गई और बाद में यह प्रतिमा अमेरिका पहुंच गई। इतिहासकारों के अनुसार प्रतिमा पर अंकित शिलालेख में 'द्रौणग्रिदत्त' नाम का उल्लेख मिलता है, जो प्राचीन श्रीपुर, वर्तमान सिरपुर, का निवासी था। इससे इस प्रतिमा का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। अवलोकितेश्वर की यह कांस्य प्रतिमा छत्तीसगढ़ की समृद्ध बौद्ध परंपरा, प्राचीन शिल्पकला और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक है।

20 साल बाद मिले स्कूल के दोस्त गुरुजनों को किया सम्मानित

रायपुर। पं. माधवराव सप्रे वार्ड स्थित शासकीय रायपुरा स्कूल में रविवार को 2005-2006 बैच के पूर्व छात्र-छात्राओं का मिलन और शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। 'पुरानी यादें, नई मुलाकातें' थीम पर आयोजित इस समारोह में दशकों बाद अपने पुराने सहपाठियों और गुरुजनों से मिलकर सभी भावुक हो उठे। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजनों के वंदन से हुई। इस खास अवसर पर स्कूल के सेवानिवृत्त और वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों का पूर्व छात्रों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। शिक्षकों ने इस सम्मान से अभिभूत होकर अपने जीवन के बहुमूल्य अनुभव छात्रों के साथ साझा किए और उन्हें जीवन में आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के दौरान जब सभी छात्रों ने मंच से अपना परिचय दिया और स्कूल के दिनों की शरारतों व सुनहरी यादों का जिक्र किया तो पूरा माहौल पुरानी यादों में खो गया। लंबे अरसे बाद बचपन के दोस्तों को अपने सामने देख कई छात्रों की आंखें खुशी से छलक उठीं तो कई अपनी भावनाओं को रोक न सके और खुशी से झूम उठे।

श्रीरावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में पोलराइज नाइट लक्ष्य 8.0 का लाइव म्यूजिक कंसर्ट

कार्नर न्यूज

इलाही मेरा जी आए...पवनदीप की जादुई आवाज पर देर रात तक झूमे स्टूडेंट्स

रायपुर। इलाही मेरा जी आए....गीत को अपनी जादुई आवाज पर पिरोकर सिंगर पवनदीप राजन ने लाइव म्यूजिक कंसर्ट में समां बांध दिया। यह मौका था श्रीरावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कैंपस में आयोजित पोलराइज नाइट लक्ष्य 8.0 का, जहां सोमवार को इंडियन आयडल फेम सिंगर पवनदीप राजन और लोकप्रिय गायिका चेतना भारद्वाज ने अपनी धमाकेदार सिंगिंग प्रस्तुति से ऑडियंस को दीवाना बना दिया। सिंगर्स की जादुई आवाज से सजे हर एक गीत पर पूरा कैंपस एक साथ गुनगुनाता और झूमता दिखाई दिया। सिंगर्स की शानदार गायकी ने कैंपस के समूचे माहौल को उत्सव में बदल दिया। यह आयोजन देर शाम श्रीरावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कैंपस में आयोजित किया गया, जहां संगीत और रोशनी में युवा जोश से सराबोर हो उठा। इस लाइव म्यूजिक कंसर्ट में सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों और म्यूजिक लवर्स की मौजूदगी में जैसे ही पवनदीप ने मंच संभाला तो पूरा कैंपस तालियों, सीटियों की शोर से गूंज उठा और मोबाइल फ्लैश लाइट्स की चमक से दूधिया रोशनी में नहाया दिखा। सिंगर्स के हिट गानों पर पूरा कैंपस देर रात तक डांस, संगीत और चेयरिंग से झूमता रहा।

चेतना की धमाकेदार परफॉर्मेंस के दीवाने हुए ऑडियंस

पवनदीप के साथ ही चेतना भारद्वाज ने अपनी हिट गीत हर शरारत दिखावा और धुनकी लागे... सॉन्ग से दीवाना बना दिया। उनके गीतों पर युवाओं का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। चेतना ने एनर्जेटिक स्टेज परफार्मेंस और शानदार अंदाज से माहौल में नई ऊर्जा भर दी। इन गीतों पर ऑडियंस अपने स्थान पर खुद को थिरकने से नहीं रोक सके और जमकर झूमे।

स्टूडेंट्स की मौजूदी और सिंगर्स के परफार्मेंस ने बनाया यादगार

भव्य मंच सज्जा, हाईटेक लाइटिंग, दमदार साउंड सिस्टम और बेहतरीन व्यवस्थाओं ने पोलराइज नाइट लक्ष्य 8.0 को किसी बड़े नेशनल कंसर्ट जैसा अनुभव बना दिया। इस आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि श्रीरावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के टैलेंट, कॉफिटेंड और कल्चरल एक्सपोजर को नई पहचान देने वाला संस्थान है। स्टूडेंट्स में इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और पूरा कैंपस देर रात तक जश्न के माहौल में डूबा रहा।

सिटी लाइव

निःसंतान होना कोई समस्या नहीं इसमें आईयूआई तकनीक प्रभावी

रायपुर। निःसंतान दम्पत्ति के जीवन में खुशी और उनकी समस्या का निवारण करने के लिए एक प्राइवेट अस्पताल के सहयोग से सुभाग हेल्थ टेक द्वारा एक दिवसीय निशुल्क जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य निःसंतानता जैसे संवेदनशील विषय के प्रति समाज में व्याप्त संकोच को दूर करना और दंपत्ति को सही जानकारी देना था। परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था। इसमें वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. माधवी वर्मा ने अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में आयोजित शिविर में महिलाओं की सोनोग्राफी, पुरुषों की वीर्य जांच तथा विशेषज्ञ ओपीडी परामर्श की सुविधा निशुल्क दी गई। डॉ. माधवी वर्मा ने बताया कि "निःसंतानता कोई लाइलाज समस्या नहीं है। आईयूआई यानी 'इंट्रायूटेराइन इनसेमिनेशन' एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जिसका लाभ लोग ले रहे हैं।

समय पर जांच एवं मार्गदर्शन में समाधान संभव

आयोजन करने वाली संस्था के सीओओ सोहन साहू ने बताया कि उन्होंने स्वयं शिविर में दंपत्तियों की काउंसिलिंग की। उन्हें बताया कि कई छोटी समस्याओं का समाधान समय पर जांच एवं उचित मार्गदर्शन में आसानी से संभव है। देश में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या 4 करोड़ से अधिक है। यह आंकड़ा प्रतिवर्ष लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। इसके पीछे बदलती जीवनशैली, तनाव एवं अन्य कई कारण हैं। इस सफल आयोजन में चंदन, विनय, टीआर साहू, सुभाजीत, मिलिंद, बृजनाथ, श्रीकांत, जैमी, चंचल, सहित सभी सदस्यों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से दंपत्तियों को जागरूक करने में सहयोग किया। विनय सिंह राजपूत ने शिविर में पहुंचे सभी दंपत्तियों के सुखद एवं सफल पारिवारिक जीवन के लिए कामना की।

समाज लाइव

गुरु अर्जन देव के त्याग चर्चा के बाद देंगे शर्बत सेवा

रायपुर। सिखों के पांचवे गुरु श्री गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस पर छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा लोगों के बीच शर्बत सेवा दी जाएगी। 30 मई को होने वाले इस आयोजन को लेकर समाज ने तैयारियों की सिलसिला शुरू किया है। इस बार लगभग एक लाख लोगों को शर्बत पिलाया जाएगा। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आने-जाने वाले लोगों को राहत देने के लिए शर्बत सेवा देने की तैयारी को लेकर मीटिंग की गई। इस अवसर पर सिखों के पांचवे गुरु श्री गुरु अर्जन देव के जीवन से जुड़े इतिहास पर केंद्रित आयोजन स्थल पर चित्र प्रदर्शनी भी सजाई जाएगी। छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने बताया कि इस आयोजन को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से श्री गुरु अर्जन देव के धर्म न छोड़ने के लिए त्याग और बलिदान को श्रद्धांजलि दी जाएगी। उनके जीवन के प्रेरणादायक क्षणों और उनसे संबंधित फोटो की प्रदर्शनी लगाई जाएंगी, ताकि समाज की युवा पीढ़ी को उनके बलिदान से अवगत कराते हुए उन्हें धर्म के प्रति जागरूक किया जा सके।

सीएम साय सहित जनप्रतिनिधि बनेंगे आयोजन का हिस्सा

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों, समाजसेवी संस्थाओं, संगठनों और एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा समाज के सभी वर्गों की महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों की भागीदारी रहेगी। इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। छबील में शामिल होकर ठंडा मीठा शर्बत वितरित करते हुए श्री गुरु अर्जन देव की शहीदी को नमन करेंगे। समाज में प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश दिया जाएगा। श्री गुरु अर्जन देव के शहीदी वर्ष पर समाजसेवा के इस अद्वितीय कार्य में समाज के लोग भाग लेने के साथ ही सेवा देंगे। शर्बत वितरण के साथ अन्य धार्मिक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी, ताकि सभी वर्गों के लोग इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बन सकें।

लाइव इवेंट

रोटरी क्लब ने रोपे 51 हजार पौधे, शिक्षा स्वास्थ्य में जरूरतमंदों का बना सहारा

रायपुर। रोटरी वर्ष 2025-26 में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 ने प्रांतपाल रोटे. अमित पल्लवी जायसवाल के कुशल नेतृत्व में सेवा, सामाजिक सरोकार एवं जनहित कार्यों के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित करते हुए रोटरी की एक नई पहचान स्थापित की। डिस्ट्रिक्ट 3261 के अंतर्गत छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा प्रांत से 100 से अधिक रोटरी क्लबों ने रोटरी के प्रमुख सात कार्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज के हर वर्ग तक सेवाकार्यों की मजबूत छाप छोड़ी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पूरे डिस्ट्रिक्ट में 51,000 से अधिक पौधों का रोपण कर हरित भविष्य की मजबूत पहल की गई। वहीं शिक्षा एवं प्रतिभा प्रोत्साहन के उद्देश्य से 25,000 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए खेल एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान किया गया।

7 जून को आभार मित्रों का सम्मान समारोह

वर्तमान रोटरी वर्ष की ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण कार्य करने वाले क्लबों के अध्यक्ष, सचिव एवं पूरी टीम को सम्मानित करने हेतु आगामी 7 जून को रायपुर में आभार मित्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी को सम्मान चिन्ह प्रदान कर भविष्य में भी समाजहित एवं सेवाकार्यों में निरंतर योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

● सशक्त और स्वावलंबी नारी जैसे स्लोगन के साथ महिला चैंबर ने आईटीएम यूनिवर्सिटी से किया एमओयू, ताकि मिले जॉब

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने महिला चैंबर की पहल ई-रिक्शा और कमर्शियल वाहन चलाने की देंगे फ्री ट्रेनिंग

नारी शक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए अब चैंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़ी महिला विंग सार्थक पहल करने जा रही है।इसके लिए आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर के साथ एमओयू किया गया है। इसके तहत 25 मई से पहले बैंच का प्रशिक्षण शुरू होने वाला है। इसमें महिलाओं को अब स्वावलंबी नारी के रूप में पहचान दिलाने के लिए उन्हें निशुल्क ई-रिक्शा, कार के साथ कमर्शियल वाहन चलाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही महिलाओं को 15 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह कमाने के लिए जॉब ऑफर किया जाएगा।'

समझौते के तहत स्किल डेवलपमेंट पर फोकस

चैंबर के व्यावसायिक प्रोजेक्ट्स के लिए विश्वविद्यालय की रिसर्च सुविधाओं और फैकल्टी की विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सकेगा। कैपेसिटी बिल्डिंगः महिला उद्यमियों और कार्यबल के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा विशेष ट्रेनिंग और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। दोनों संस्थाओं के लिए साझा फायदे के साथ समावेशी विकास के अवसर भी मिलेंगे। समझौता छत्तीसगढ़ में युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। नेटवर्किंग और सेमिनारः दोनों संस्थाएं मिलकर राज्य स्तर पर बिजनेस कॉन्क्लेव, वर्कशॉप और सेमिनार नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रायोजित करेंगे। इससे उद्यमी नारी शक्ति को नई तकनीक से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला विंग और आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित हुआ है। इस समझौते के तहत उद्योग और शिक्षा जगत को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। महिला चैंबर की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने बताया कि इस ऐतिहासिक पहल से महिलाओं को आने वाले दिनों में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। अब महिलाओं को ई-रिक्शा सहित कमर्शियल वाहन और कार ड्राइव करने निशुल्क प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। इसकी शुरुआत 25 मई से की जाएगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अभी तक 10 महिलाओं ने पंजीयन कराया है। पहले बैच का संचालन दो महीने किया जाएगा। इसके बाद ट्रेनिंग प्राप्त करने वाली महिलाओं को 15 से 20 हजार रुपए कमाने का अवसर देने के लिए समझौते के तहत जॉब ऑफर किया जाएगा। यह समझौता आईटीएम यूनिवर्सिटी की प्रो-वाइस चांसलर डॉ. लक्ष्मी मूर्ति और महिला चैंबर की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता की उपस्थिति में हुआ।

व्यावहारिक अनुभव पाने का भी मिलेगा अवसर

उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य राज्य में कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और युवाओं को रोजगार योग्य बनाना है। आईटीएम यूनिवर्सिटी में होने वाले इंटर्नशिप से जॉब के बेहतर अवसर मिलेंगे। छात्रों को महिला चैंबर से जुड़े विभिन्न व्यावसायों में सीधे इंटर्नशिप करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मार्केट डिमांड के अनुसार पाठ्यक्रम में यूनिवर्सिटी को वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं और कॉर्पोरेट ट्रेंड्स के अनुसार अपने शैक्षणिक प्रोग्राम्स को अपडेट करने में मदद मिलेगी। महिला उद्यमियों द्वारा तैयार किए जाने वाले होममेड प्रोडक्ट की जानकारी यूनिवर्ससिटी में इंटर्नशिप करने वाले छात्र-छात्राओं को भी प्राप्त होगा।

सफल महिला उद्यमी इंटर्नशिप में देंगी जानकारी

चैंबर की प्रदेश महामंत्री मनीषा तरवानी और प्रदेश कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल ने बताया कि बेहतर प्लेसमेंट रिकॉर्डः उद्योग जगत से सीधे जुड़ाव के कारण विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए नौकरियों और करियर की तैयारी के लिए नए द्वार खुलेंगे। प्रशिक्षण और अतिथि व्याख्यानः महिला चैंबर की सफल महिला उद्यमी और विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी में छात्रों का मार्गदर्शन करेंगी। महिला चैंबर को होने वाले लाभ कुशल कार्यबलः महिला चैंबर से जुड़े व्यवसायों और कॉर्पोरेट हाउसेज को यूनिवर्सिटी से सीधे प्रशिक्षित होंगे। कुशल फ्रेसर्स को नए अवसर मिलेंगे। यूनिवर्सिटी के इनक्यूबेटर इकोसिस्टम और शैक्षणिक संसाधनों की मदद से नई महिला उद्यमियों को बिजनेस आइडिया को स्टार्टअप में बदलने में तकनीकी सहायता मिलेगी।

सिविल लाइंस सिंधी पंचायत की कार्यकारिणी की बैठक

सिविल लाइंस सिंधी पंचायत ने लिया सेवा-संस्कार और समाजहित का संकल्प

रायपुर। पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत की कार्यकारिणी बैठक सोमवार को सिविल लाइंस में आयोजित की गई। इस दौरान पंचायत ने सेवा, संस्कार एवं समाजहित का संकल्प लिया। मीडिया प्रभारी जतिन नचरानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में समाजहित एवं सेवा कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत की किसी भी बैठक मांस, मदिरा का सेवन पूर्णतः वर्जित रहेगा। समाज की 11 जरूरतमंद कन्याओं के विवाह हेतु सहयोग राशि एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही 11 जरूरतमंद छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया। अध्यक्ष संजय जैसिंघ एवं महासचिव मोहन वल्यानी ने अपने संदेश में कहा कि पंचायत केवल सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और समाज को जोड़ने का माध्यम है। सभी सदस्यों को समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभानी चाहिए। बैठक में प्रमुख रूप से दीपक खेमानी, संजय जादवानी, जीवत बजाज, राजकुमार कोडवानी, सुशील दरीरा, नानकराम रामरख्यानी, शैलेंद्र नैनानी, जय आर्य, आनंद टेकवानी, विशाल नारंग, नरेश पिंजानी, सुंदर नारवानी, चंदन पारवानी एवं राजेश गिदवानी उपस्थित रहे।

आगामी महीने की कार्ययोजना बनाई

इसके अतिरिक्त जून माह में पारिवारिक पिकनिक, जुलाई में वृहद वृक्षारोपण एवं औषधीय पौधों के वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पंचायत सदस्यों की पारिवारिक एवं व्यापारिक जानकारी सहित डायरेक्टरी प्रकाशित करने तथा बच्चों के लिए समर कैंप एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन पर भी सहमति बनी।

सिंधी काउंसिल ने प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

रायपुर। सिंधी काउंसिल ने 200 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए भव्य आयोजन किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा किए गए सम्मान समारोह में कक्षा 10वीं-12वी में 85% अंक अर्जित करने वाले 200 विद्यार्थियों का चयन किया, जिन्हें सांसद बृजमोहन अग्रवाल के हाथों से सम्मानित किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा, जिन बच्चों का सम्मान हो रहा है, आने वाले समय इनमें से कोई डॉक्टर कोई एडवोकेट, कलेक्टर, साइंटिस्ट बनेंगे। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा, हमारा सौभाग्य है कि ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों का हमें सम्मान करने का मौका मिला। पुरस्कृत किए गए विद्यार्थियों के साथ उनके माता-पिता भी पहुंचे।

विद्यार्थियों को एक्सपर्ट ने दिए टिप्स, शामिल हुए परिजन

यह आयोजन मैग्नेटो मॉल में किया गया। जहां छात्र-छात्राओं को मोटिवेशनल स्पीकर अलक्षेंद्र मोगरे, शिक्षाविद डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी, डॉ. आर. श्रीधर, डॉ. श्रीपाली जैन ने टिप्स दिए और बच्चों की काउंसिलिंग की। इस अवसर पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, महामंत्री सुनील कुकरेजा, युवा विंग अध्यक्ष जीतू लोहाना, महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव, महामंत्री महक होतवानी, चेयरमैन नीता कुकरेजा, रितेश वाधवा, धनेश मटलानी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मेरे आंसुओं पे न मुस्कुरा, कभी मैं ही तेरा नसीब था...काव्य पाठ से गूंजा महफिल

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में मासिक गोष्ठियों के तहत 45वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन साहित्य सृजन संस्थान के तत्वावधान में किया गया। इसमें शहर के स्थानीय साहित्यकार, कवियों के साथ प्रदेश के बागबाहरा, सारंगढ़, कांकेर, जगदलपुर, खरोरा, धमधा आदि जगहों से काव्यप्रेमी व रचनाकारों ने काव्य पाठ व साहित्य श्रृंखला प्रस्तुत किया। काव्य गोष्ठी का आगाज कवि उमेश कुमार सोनी नयन ने अपनी रचना पाठ मेरे आंसुओं पे न मुस्कुरा, कभी मैं ही तेरा नसीब था, मुझे ऐसे देख न हमसफर कभी मैं भी तेरा हबीब था...से किया। वहीं अदिति वर्मा ने रहती हूं शहर में, लेकिन प्यारा मुझे मेरा गांव है...और राजेंद्र रायपुरी ने हंसने दो मुस्कुराने दो जी, गीत ख़ुशी के गाने दो जी...पढ़कर गोष्ठी में काव्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। काव्य गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि यूरोलोजिस्ट डॉ. राहुल कपूर रहे। डॉ. कपूर ने यूरोलॉजी विषय पर कारगर और उल्लेखनीय जानकारी प्रदान की। काव्य गोष्ठी में बड़ी संख्या में कलासाधक व काव्य प्रेमी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में तेजपाल सोनी, सुषमा पटेल, विजय कोसले, किशोर लालवानी, वासुदेव कन्नौजे, अशोक कुमार, अयूब खान, डॉ. सरोज दुबे, सुनीता पवार, अंजू पाण्डेय, सुरेंद्र रावल, आराध्या शर्मा, राजकुमार धर द्विवेदी, डॉ. सुरेंद्र अहलुवालिया, उर्मिला शुक्ल, यशवंत चतुर्वेदी, प्रमदा ठाकुर, डॉ. कुसुम जैन, राममूनत शुक्ल, महेंद्र ठाकुर, राजकुमार पांडे, शीलकांत पाठक संजय देवांगन, राजेंद्र ओझा ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।

राजधानी के बुढ़ापारा स्थित प्रभु श्रीगिरिराज मंदिर में अधिमास की श्रृंखला में भक्त मनाते हैं महोत्सव

प्रभु गिरिराज की आस्था में मनेगा तिथिगत उत्सव, मंदिर में होगा होली-दिवाली और जन्माष्टमी जैसा माहौल

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के बूढ़ापारा स्थित श्रीगिरिराज मंदिर में ज्येष्ठ-पुरुषोत्तम या अधिकमास पर सनातन वैष्णव परंपरा के तहत प्रभु गिरिराज के दरबार में तिथिगत उत्सव की श्रृंखला इस बार भी सजाई जाएगी। भव्य धार्मिक महोत्सव महीनेभर चलने वाला है। हर तीसरे वर्ष मिलने वाले पुरुषोत्तम मास इस साल 17 मई से 15 जून तक प्रभावी रहेगा। इसके संदर्भ में जानकारी देते हुए मनोज नत्थानी ने बताया कि इस पवित्र अधिकमास में श्रीगिरिराज परमानंद महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीगिरिराज चरित्र से संबंधित वर्षभर में आने वाले होली, दिवाली, जन्माष्टमी और रथयात्रा की तिथियों पर महोत्सव मनाया जाएगा। इतना ही नहीं, मंदिर की करीब 100 साल पुरानी परंपराओं का निर्वहन भक्त परिवार उत्साह और भक्तिभाव से करते हैं। सभी बड़े-छोटे उत्सव भव्य रूप से मनाए जाएंगे, जिनकी तैयारी 6 महीने पूर्व से प्रारंभ हो चुकी है।

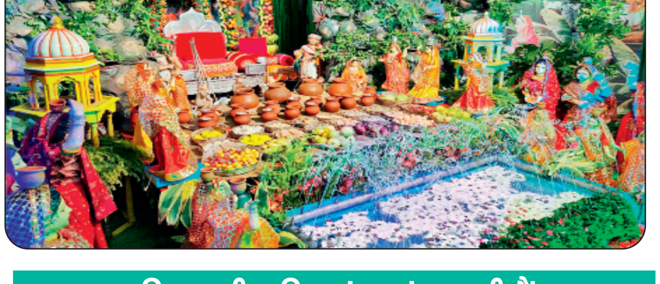

भक्त परिवार की महिलाएं स्वयं सजाती हैं दरबार

अधिकमास के समापन पर विशेष रूप से भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त माहभर भागवत पाठ एवं पुरुषोत्तम मास की समाप्ति से पूर्व पं. सोमनाथ चतुर्वेदी द्वारा पुरुषोत्तम महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रभु गिरिराज का मनमोहक श्रृंगार करने के लिए बंगलुरु, कोलकाता, पुणे से फूल, कन्नौज से सुगंध के लिए इत्र,समुद्रतटों से शीप और जयपुर से मोती, सजावट व सेवा की सामग्री मंगाई गई है। गर्मी के लिहास से महीनेभर ठाकुरजी को सूती और मलमल के वस्त्र धारण करवाने के बाद विविध फूलों से श्रृंगार किया जाएगा। पंडितों के मार्गदर्शन में साज-श्रृंगार का दायित्व भक्त महिलाएं परिवार के अन्य सदस्यों के सहयोग से महीनेभर निभाती हैं।

श्रद्धालुओं को प्रभु के विविध रूपों का होगा दर्शन

मंदिर के मुखिया अभिषेक उपेन्द्र भाई त्रिवेदी ने बताया कि इस गिरिराज परमानंद महोत्सव में प्रमुख रूप से ऋतु की सेवा को ध्यान में रखते हुए उष्ण कालीन मनोरथ और उत्सव की विशेषता रहेगी। इसी अवसर पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे प्रभु श्री गिरिराज को सवा मन यानी 51 लीटर से अधिक दूध से स्नान करवाने के बाद वेदोक्त पाठ के साथ विधिवत पूजन का सिलसिला चलेगा। वहीं रात्रि 8 से 9 बजे के बीच विशेष मनोरथ के साथ श्रद्धालुओं को भगवान के विविध रूपों में दर्शन होंगे। प्रभु श्री गिरिराज के मनोरथी श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिदिन प्रभु का विविध रूपों में श्रृंगार किया जाएगा। इस अवसर को खास बनाने में भक्त परिवार के लोग सेवा देने के लिए आते हैं।

ज्योतिष

मिथुन राशि में गुरु, शुक्र व चंद्रमा, इन राशियों को मिलेगा लाभ

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर राशि परिवर्तन करते हैं और दूसरे ग्रहों के साथ युति करते हुए कई तरह के शुभ और अशुभ योगों का निर्माण करते हैं। इस समय देवताओं के गुरु बृहस्पति और शुक्र दोनों ही मिथुन राशि में संचरण कर रहे हैं, इस युति में अब चंद्रमा की भी युति होने वाली है। जिससे एक राशि में ही तीन ग्रहों की युति देखने को मिलेगी। पंचांग गणना के अनुसार, चंद्रमा का मिथुन राशि में गोचर 18 ,19 और 20 मई को मिथुन में होगा। त्रिग्रही योग के बनने से कुछ राशि वालों को आने वाले कुछ दिनों में बहुत ही अच्छा लाभ होने वाला है।

वृषभ राशि : वृषभ राशि वालों के लिए त्रिग्रही योग धन के स्थान पर होगा जिससे आर्थिक स्थितियां बहुत ही बेहतर और अनुकूल साबि होंगी। धन लाभ के बेहतर अवसरों की प्राप्ति होगी। अचानक आय में वृद्धि के योग हैं। आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर रहेगी। करियर-कारोबार में अच्छा खासी बढ़ोतरी हो सकती है। वैवाहिक जीवन में चली आ परेशानियां दूर होंगी।

मिथुन राशि : मिथुन राशि में गुरु, चंद्रमा और शुक्र की युति से सुख-सुविधाओं में वृद्धि और धन की प्राप्ति होगी। आय के नए-नए स्त्रोतों में इजाफा होगा। नौकरीपेशा जातकों के जीवन में चली आ रही परेशानियां खत्म होंगी। अधिकारियों संग काम को लेकर रिश्ता मजबूत होगा। जमीन-जायदाद से संबंधित मामलों में आपको राहत मिलेगी।

कन्या राशि : कन्या राशि वालों के लिए शुक्र, चंद्रमा, गुरु की युति से शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। जो लोग बेरोजगार हैं उनको नई नौकरी के लिए कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आय में लगातार इजाफा होगा और इस दौरान आपको कई दूसरे समाचार भी प्राप्ति हो सकते हैं।

तुला राशि : मिथुन राशि में गुरु, चंद्रमा और शुक्र की युति से तुला राशि वालों को शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। इस दौरान बिजनेस में लाभ के कई अच्छे मौके मिलेंगे। आर्थिक स्थिति काफी बेहतर रहेगी। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों संग आर्थिक स्थिति मजबूती होगी। परिवार में सुख-शांति से मन प्रसन्न रहेगा।

23 मई को बनेगा ग्रहण योग, कन्या सहित इन राशियों की बढ़ेगी टेंशन

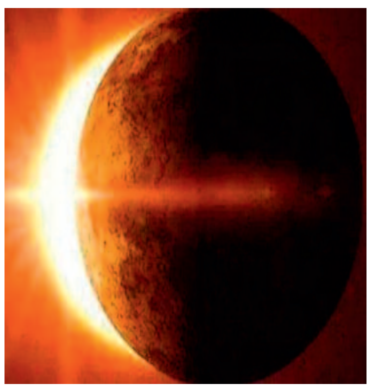

ज्योतिषियों के अनुसार, 23 मई को चन्द्रमा सिंह में गोचर करने वाले हैं। इस राशि में पहले से ही केतु रहेंगे। चन्द्रमा और केतु की यह युति ग्रहण योग बनाएगी। यह ग्रहण योग कुछ राशियों के लिए चुनौतियां लेकर आ सकता है। इसलिए जातकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी। मन पर नकारात्मक विचार हावी हो सकते हैं।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों के लिए यह ग्रहण योग समस्याएं लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में दबाव बढ़ाने महसूस हो सकता है। धन लाभ में परेशानियां आ सकती हैं। इस समय नौकरीपेशा लोगों पर अचानक जिम्मेदारियों का भार बढ़ सकता है, जिससे मानसिक थकान महसूस होगी। इसके अलावा प्रियजनों के साथ गलतफहमियां उभर सकती हैं।

कन्या राशि : कन्या राशि वालों के लिए यह समय परेशानियों से भरा रहेगा, इसलिए आप धैर्यवान रहें। समय रिश्तों और सामाजिक जीवन में परीक्षा लेने वाला रह सकता है। रिश्तों में बढ़ता तनाव आपके मन को दुखी कर सकता है। इस समय विरोधी कार्यों में बाधाएं उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में राजनीति परेशान कर सकती हैं।

मकर राशि : मकर राशि वालों के जीवन में अचानक कुछ ऐसी परिस्थितियां बन सकती हैं, जो मानसिक बेचैनी बढ़ा देंगी। किसी करीबी के साथ वाद-विवाद दोबारा सामने आने से मन परेशान रह सकता है। इस दौरान क्रोध पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी रहेगा। छोटी-छोटी बातों को दिल पर लगाने से बचना होगा। अधिक यात्रा करने से परेशान हो सकते हैं।

रोजाना ठंडे पेय का सेवन शरीर को कई तरह से प्रभावित कर सकता है

ठंडे पेय का सेवन हिसाब से करें वरना ये बढ़ा सकता है वजन

गर्मियों में ठंडा पेय पीने से शरीर को ठंडक मिलती है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोजाना ठंडे पेय का सेवन शरीर को कई तरह से प्रभावित कर सकता है, खासकर अगर इसमें ज्यादा मीठा मिलाया जाता है। आइए आज हम आपको ऐसी बातें बताते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करती हैं कि ठंडे पेय का सेवन वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है।

भूख को बढ़ा सकते हैं ठंडे पेय

ठंडे पेय में मीठे की अधिक मात्रा होती है, जो भूख को बढ़ा सकती है। इसका कारण है कि जब आप ठंडा पेय पीते हैं तो यह आपके पेट को जल्दी भर देता है, जिससे आपको लगता है कि आप ज्यादा खा चुके हैं। इससे आपका पाचन भी प्रभावित होता है और आप अधिक खाने की इच्छा महसूस कर सकते हैं। इसके कारण वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

कैलोरी का अधिक सेवन

ठंडे पेय में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण इनका अधिक सेवन करने से वजन बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए एक कैन शीतल पेय में लगभग 150 कैलोरी होती हैं। अब अगर आप दिन में 2 या 3 बार इनका सेवन करते हैं तो ये कैलोरी बढ़कर काफी ज्यादा हो जाती है, जो मोटापे का कारण बन सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें।

शरीर को कर सकते हैं सुस्त

अगर आप रोजाना ठंडे पेय का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर की ऊर्जा पर बुरा असर पड़ सकता है। ठंडे पेय पीने से शरीर सुस्त हो जाता है और इसकी गतिविधियां कम हो जाती हैं। इसके कारण शरीर की पाचन दर भी धीमी हो जाती है, जिससे वजन बढ़ने लगता है। इसके अतिरिक्त इससे पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है और भूख भी कम लगती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है।

पोषण की कमी हो सकती है

ठंडे पेय में पोषक तत्वों की कमी होती है और इन्हें पीने से आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज नहीं मिल पाते। इसके कारण आपको कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा इससे आपका पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें और इनके स्थान पर प्राकृतिक पेय का सेवन करें।

नींद पर पड़ सकता है बुरा असर

ठंडे पेय में कैफीन की मात्रा काफी होती है, जो नींद को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रात को सोने से पहले ठंडा पेय पीते हैं तो यह आपकी नींद को खराब कर सकता है और आपको ठीक से सोने नहीं देता। इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और वजन बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए रात को सोने से पहले ठंडा पेय न पिएं।

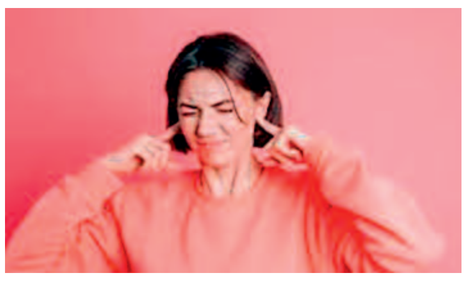

तेज आवाज में गाने सुनने से हो सकती हैं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं

आजकल कई लोग गाने सुनना पसंद करते हैं। कुछ लोग तो ऐसे हैं, जो गाने सुनते हुए सो जाते हैं। हालांकि, अगर आप इस दौरान गाने तेज सुनते हैं तो यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। तेज आवाज में गाने सुनने से सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है और इसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि तेज आवाज में गाने सुनने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं।

सुनने की क्षमता हो सकती है प्रभावित : अगर आप तेज आवाज में गाने सुनते हैं तो इससे आपकी सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। एक सर्वे के मुताबिक, 12 से 70 साल की उम्र के कई लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं। तेज आवाज में गाने सुनने से कानों में संक्रमण होने की संभावना भी बढ़ जाती है, जिससे कान की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंच सकता है और सुनने की क्षमता कम हो सकती है।

हो सकता है कानों में दर्द या संक्रमण : अगर आप तेज आवाज में गाने सुनते हैं तो कान के परदे के फटने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा तेज आवाज में गाने सुनने से कान में दर्द या संक्रमण भी हो सकता है। इसके अलावा लंबे समय तक तेज आवाज में गाने सुनने से कानों में गूंजने वाली आवाज भी हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी भी तरह की संगीत डिवाइस या फिर मोबाइल फोन को कम आवाज में रखें।

तनाव पैदा करने का बन सकता है कारण : तेज आवाज में गाने सुनने से तनाव भी हो सकता है। कई अध्ययनों के मुताबिक, तेज आवाज में गाने सुनने से तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है। इसके अलावा तेज आवाज में गाने सुनने से व्यक्ति की नींद भी प्रभावित होती है, जिससे वह और भी ज्यादा तनाव महसूस करता है।

कानों में गूंज सकती है आवाज

अगर आप तेज आवाज में गाने सुनते हैं तो कानों में गूंजने वाली आवाज की समस्या हो सकती है। यह समस्या तब होती है, जब कान की अंदरूनी परत को किसी भी तरह का झटका लगे। इससे पीड़ित व्यक्ति को कानों में गूंजने वाली आवाज सुनाई देती है, जो कभी-कभी इतनी तेज होती है कि उससे सिरदर्द भी होने लगता है। अगर आपको भी कानों में गूंजने वाली आवाज सुनाई देती है तो डॉक्टर से संपर्क करें।

दिल पर पड़ सकता है बुरा असर

तेज आवाज में गाने सुनने से दिल पर भी बुरा असर पड़ सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, तेज आवाज में गाने सुनने से रक्तचाप बढ़ने लगता है, जिससे दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा तेज आवाज में गाने सुनने से दिल की धड़कनें भी अनियमित हो जाती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी भी तरह की संगीत डिवाइस या फिर मोबाइल फोन को कम आवाज में रखें।

घर पर बनाएं पारंपरिक असमिया शाकाहारी व्यंजन, आसान है रेसिपी

असम भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित एक राज्य है, जो अपने स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजनों के लिए जाना जाता है। यहां के व्यंजन न केवल स्वाद में बेहतरीन हैं, बल्कि सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं। असमिया व्यंजन में इस्तेमाल होने वाले मसाले और सामग्री ताजा और स्थानीय होते हैं, जिससे इनका स्वाद अनोखा होता है। आइए आज हम आपको असम के कुछ पारंपरिक शाकाहारी व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो गर्मियों के लिए बेहतरीन हैं।

आलू और कद्दू की सब्जी : आलू और कद्दू की सब्जी असम में एक पसंदीदा व्यंजन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले आलू और कद्दू को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, सरसों और सूखी लाल मिर्च डालें। इसके बाद इसमें कटे हुए आलू और कद्दू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और नमक, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। इसे धीमी आंच पर पकने दें, जब तक कि सब्जी मुलायम न हो जाए। इसका स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

मसालेदार हरी मिर्च का अचार : मसालेदार हरी मिर्च का अचार असम में बहुत पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए ताजा हरी मिर्च लें और उन्हें धोकर सुखा लें, फिर उन्हें बीच से काटकर बीज निकाल दें। अब एक बर्तन में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें मेथी दाना, सौंफ, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे धूप में सुखाने के बाद सेवन करें।

काजू और नारियल की खीर : काजू और नारियल की खीर असम में एक लोकप्रिय मीठा व्यंजन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें काजू पाउडर डालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इसमें चीनी डालकर पकाएं, जब तक कि चीनी पूरी तरह घुल न जाए। अंत में इसमें इलायची पाउडर डालें और गर्मा-गर्म परोसें। यह खीर न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

पापड़ की सब्जी : पापड़ की सब्जी असम का एक अनोखा व्यंजन है, जिसे बनाने के लिए सबसे पहले पापड़ को तल लें। फिर एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें। अब इसमें कटे हुए प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें और टमाटर की प्यूरी मिलाएं। मसाले जैसे हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालें और अच्छी तरह मिलाएं। आखिर में तले हुए पापड़ डालकर मिलाएं और कुछ मिनट पकने दें।

कांजी : कांजी असम का एक पारंपरिक पेय है, जो गर्मियों में ठंडक देता है। इसे बनाने के लिए चावल को भिगोकर पीस लें, फिर पानी मिलाकर छान लें। अब इस पानी में सरसों का पाउडर, नमक, कटी हुई हरी मिर्च और अदरक का रस मिलाएं और इसे धूप में सुखाएं। जब यह मिश्रण सूख जाए तो इसे ठंडा करके पीएं।

अनार, पपीता और केला खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान, मिलेगा ताजा फल

बाजार में कई फल उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें से कुछ मौसम के अनुसार आते हैं, जबकि कुछ साल भर मिलते हैं। इस लेख में हम उन्हीं फलों की बात करेंगे, जो साल भर बाजारों में उपलब्ध रहते हैं। इनमें अनार, पपीता और केला शामिल हैं। अगर आप इन फलों को खरीदते समय थोड़ी सी समझदारी दिखाएंगे तो आपको ताजे फल मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि इन फलों को खरीदते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

अनार खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान : अनार खरीदते समय सबसे पहले इसकी बाहरी परत पर ध्यान दें। अगर आप ताजे अनार खरीदना चाहते हैं, तो लाल रंग के और चिकनी त्वचा वाले अनार का चयन करें। इसके अलावा अनार का आकार भी महत्वपूर्ण है। छोटे और गोल आकार के ताजे अनार सबसे अच्छे होते हैं। साथ ही अगर अनार पर धब्बे या छेद हों तो उसे न खरीदें। इससे आपको खराब फल मिल सकता है।

पपीता खरीदते समय देखें उसका ऊपरी रंग : पपीता खरीदते समय सबसे पहले उसकी बाहरी परत पर ध्यान दें। अगर पपीते की त्वचा पर पीले रंग की धब्बे या काले निशान हों तो उसे न खरीदें क्योंकि ये पका हुआ नहीं होता और इसे खाने का मन नहीं करेगा। इसके अलावा आकार भी जरूरी होता है। छोटे और गोल आकार के पपीते सबसे अच्छे होते हैं। साथ ही अगर पपीते पर कोई छेद हो तो उसे न खरीदें। इससे आपको खराब फल मिल सकता है।

केले चुनने का सही तरीका : केले खरीदते समय सबसे पहले केले की त्वचा पर ध्यान दें। अगर केले की त्वचा चिकनी और पीले रंग की हो तो उसे खरीदें। इसके अलावा केले का आकार भी अहम होता है। छोटे और गोल आकार के केले सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये ज्यादा मीठे होते हैं। साथ ही अगर केले पर

कोई छेद हो या धब्बे हों तो उसे न खरीदें। इससे आपको खराब फल मिल सकता है।

मौसम के अनुसार खरीदें फल : फल खरीदते समय मौसम का भी ध्यान रखें। गर्मियों में तरबूज, खरबूज जैसे फलों को खरीदना अच्छा रहता है, जबकि सर्दियों में संतरे, सेब जैसे फल ताजे मिलते हैं। इसके अलावा बरसात के मौसम में आम, लीची जैसे फल ताजे होते हैं। इन सरल सुझावों को अपनाकर आप आसानी से ताजे फल खरीद सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होंगे।

इससे आपका खान-पान संतुलित रहेगा और आप स्वस्थ रहेंगे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म के लिए एजेंट की तलाश

नई दिल्ली। ग्लोबल सिनेमा के इतिहास में सबसे लोकप्रिय और लंबी चलने वाली ब्रिटिश सीक्रेट एंजेट फ्रेंचाइजी फिल्म 'जेम्स बॉन्ड' के अगले पार्ट के लिए मेकर्स ने

अपनी कमर कस ली है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने यह कन्फर्म कर दिया है कि उन्हें इस जासूसी थ्रिलर फ्रेंचाइजी फिल्म के लिए डेनियल क्रेग के बाद नए चेहरे की तलाश है। आगामी 26वीं जेम्स बॉन्ड के लिए उनकी कास्टिंग प्रोसेस शुरू हो चुकी है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर सफल फ्रेंचाइजी फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर करते हुए लिखा, 'अगले जेम्स बॉन्ड की खोज जारी है। हम इस प्रक्रिया के दौरान किसी भी खास जानकारी पर टिप्पणी करने की प्लानिंग नहीं कर रहे हैं, लेकिन 007 के फैंस के साथ हम सही समय आने पर कई एक्साइटेड करने वाली न्यूज शेयर करेंगे।' साल 2021 में रिलीज हुई 'नो टाइम टू डाई' में डेनियल क्रेग ने आखिरी बार जेम्स बॉन्ड का किरदार अदा किया था। उनके हटने के बाद कौन नया जेम्स बॉन्ड बनकर धांसू एक्शन करेगा, किसके पास यह किरदार जाना चाहिए, इसे लेकर काफी कयास लगाए जा रहे थे। अब मेकर्स ने यह बात पक्की कर दी है कि वह नए जेम्स बॉन्ड को अभी तक ढूंढ ही रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने कई अभिनेताओं से बात की है। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेम्स बॉन्ड 007 की अगली फ्रेंचाइजी के लिए मेकर्स ने ऑडिशन लेने शुरू कर दिए हैं।

टॉलीवुड

करुप्पु में विजय की सरप्राइज एंट्री सीएम की झलक देख गूंजी सीटियां

तृषा और सूर्या की जोड़ी 21 साल बाद 'करुप्पु' के साथ सिनेमाघरों में लौट आई है। इस फिल्म के लिए थिएटर्स में जश्न का माहौल है। तृषा खुद भी फर्स्ट

डे फर्स्ट शो देखने पहुंची थीं। जबकि सिनेमाघर में फैंस की खुशी उस वक्त कई गुना बढ़ गई जब उन्हें बड़े पर्दे पर मुख्यमंत्री विजय नजर आए। मेकर्स ने सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर सीएम थलपति विजय की खास झलक दिखाई है। फैंस यह देखकर दीवाने हुए जा रहे हैं। थिएटर के अंदर से कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें फैंस का शोर, गूंजती सीटियां और उत्साह देखने लायक है। मूल रूप से तमिल में बनी 'करुप्पु' को तेलुगू में भी रिलीज किया गया है। 21 साल बाद पर्दे पर तृषा और सूर्या को साथ देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। सोशल मीडिया पर अलग-अलग सिनेमाघरों के अंदर और बाहर की तस्वीरें और वीडियोज भरे पड़े हैं, जिनमें फैंस जश्न मनाते दिख रहे हैं। जबकि थलपति विजय की झलक को सोने पर सुहागा बता रहे हैं। तृषा कृष्णन चेन्नई के रोहिणी सिल्वरस्क्रीन्स में 'करुप्पु' का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने पहुंचीं। उनके साथ डायरेक्टर बालाजी, म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर और सूर्या के भाई व एक्टर कार्थी भी मौजूद थे। फिल्म को मिले जबरदस्त रेस्पॉन्स के बाद डायरेक्टर को बालकनी में खड़े होकर पूरे जोश में फैंस के साथ चिल्लाते हुए भी एक वीडियो सामने आया है। हर उस इंसान के लिए जिसने करुप्पु का इंतजार किया, जिसने फिल्म के बारे में लगातार पूछा और जिसने हमारी चुप्पी और देरी के बावजूद हम पर भरोसा करना नहीं छोड़ा, हम आपसे माफी मांगते हैं।

भोजपुरी

बाबूजी के चाही दुल्हनिया का मजेदार ट्रेलर रिलीज

भोजवुड की दुनिया में फैमिली ड्रामा फिल्मों का जोर हमेशा से रहा है। गांव में मिट्टी में बसी एक ऐसी ही मजेदार कहानी पर बनी फिल्म है बाबूजी के

चाही दुल्हनिया, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। करीब 4 मिनट के इस ट्रेलर में इमोशन है, एक्शन है, रोमांस है, ड्रामा और मजेदार कॉमेडी भी है। धीरेंद्र अग्रवाल के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के रिलीज डेट का ऐलान तो नहीं हुआ है, लेकिन भोजपुरी के दर्शक अभी से इसके लिए उत्साहित दिख रहे हैं। बाबूजी के चाही दुल्हनिया में लाडो मधेशिया, विनोद मिश्रा और शालू सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी भी डायरेक्टर धीरेंद्र अग्रवाल ने ही लिखी है। जबकि सूर्य प्रताप सिंह और अखंड प्रताप सिंह ने इसे प्रोड्यूस किया है। भानु प्रताप सिंह के को-प्रोड्यूसर हैं। ट्रेलर में हमें सुरीले गीतों की झलक भी मिलती है, जिसे संगीत से सजाने का काम सावन कुमार, राहुल यादव और राज खान ने किया है। गीत के बोल राम किशन, यादव नीरज और अरविंद निषाद ने लिखे हैं। भोजपुरी ट्रेलर की शुरुआत कहानी के केंद्र बाबूजी से ही होती है। वह विधुर हैं। अपनी पत्नी की हार लगी फोटो के सामने वह भावुक अंदाज में कहते हैं कि आज उनका पढ़ाई पूरी कर के घर लौट रहा है। अब उनकी चाहत यही है कि घर में एक अच्छी से बहू भी आ जाए। इसके बाद हम कहानी में बेटे और उसकी प्रेमिका को देखते हैं। बात शादी तक पहुंचती है। दहेज की मांग होती है। लेकिन, इससे पहले कि आप इसे ड्रामा में डूबते हैं कहानी में ट्वस्टि आता है। आगे हम देखते हैं कि अब बेटे से पहले बाबूजी शादी करना चाहते हैं। इसके लिए पंडित से संपर्क किया गया है। सख्त मिजाज नजर आने वाले बाबूजी उम्र के इस पड़ाव पर प्यार पाने के लिए बेताब हैं। इस कारण बेटे से उनका सामना होता है। बेटा पूछता है तो बाबूजी इमोशनल होकर कहते हैं कि इस उम्र में अकेलापन का दर्द क्या होता है, वह तुम क्या जानो। खैर, मजा तब दोगुना हो जाता है, जब बाबू का हुलिया बदलता है। वह चश्मा लगाने लगते हैं।

लाइफ स्टाइल

ब्लू गाउन में परी जैसी खिलीं आलिया

पेरिस। कान फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने लुक्स से सबका दिल जीत लिया। आइवरी धोती स्कर्ट में ज्वेलरी से लेकर हेयरस्टाइल तक, सबकुछ खास रहा। कस्टम ब्लू गाउन में सिल्क साटिन, हनीकॉम्ब लेस और शैंटिली लेस की कई लेयर्स हैं। लेस कॉलर और घेरदार स्कर्टनुमा यह ड्रेस उनके लुक में ग्लैमर का तड़का लगा रही है। इस कॉस्ट्यूम को मशहूर अमेरिकी फैशन डिजाइनर डेनिएल फ्रैंकल ने डिजाइन किया है।

कुछ ही मिनट में फीकी हो जाती है लिपिस्टिक तो ऐसे पाएं समस्या से छुटकारा

लिपिस्टिक महिलाओं के लिए एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है, जो उनके होंठों को रंगत और चेहरे पर खास चमक देता है। हालांकि, कई बार महिलाएं शिकायत करती हैं कि लिपस्टिक कुछ ही मिनट में फीकी पड़ जाती है।

प्राइमर का उपयोग करें : लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाऊ बनाने के लिए प्राइमर का उपयोग करना बहुत जरूरी है। प्राइमर आपके होंठों को चिकना और मुलायम बनाता है, जिससे लिपस्टिक आसानी से लगती है और लंबे समय तक चलती है। इसके लिए सबसे पहले अपने होंठों को साफ करें, फिर एक पतली परत प्राइमर लगाएं । अब कुछ मिनट इंतजार करें, ताकि वह अच्छे से सेट हो जाए। इसके बाद ही लिपस्टिक लगाएं, जिससे आपका लुक पूरा दिन बेहतरीन रहेगा।

लिप लाइनर का इस्तेमाल करें : लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर का इस्तेमाल करना भी एक अच्छा तरीका है। लिप लाइनर आपके होंठों की सीमा तय करता है और

लिपस्टिक को फैलने से रोकता है। इसके लिए अपने प्राकृतिक होंठों से मेल खाता हुआ लिप लाइनर चुनें और उसे होंठों की सीमा पर लगाएं, फिर उसके ऊपर लिपस्टिक लगाएं। इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकेगी और आपका लुक भी बेहतरीन रहेगा।

ब्लॉटिंग पेपर का उपयोग करें : ब्लॉटिंग पेपर एक ऐसा उपकरण है, जो आपकी लिपस्टिक को सेट करने में मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने से पहले अपनी लिपस्टिक को 2 बार लगाएं। फिर हल्के हाथों से ब्लॉटिंग पेपर को अपने होंठों पर दबाएं, ताकि अतिरिक्त तेल और चमक हट जाए।

लिप बाम लगाएं

लिप बाम आपके होंठों को नमी प्रदान करता है और उन्हें मुलायम बनाता है, जिससे लिपस्टिक आसानी से लगती है और लंबे समय तक चलती है। इसके लिए सबसे पहले अपने होंठों को साफ करें, फिर एक पतली परत लिप बाम लगाएं। कुछ मिनट इंतजार करें, ताकि वह अच्छे से सेट हो जाए। इसके बाद ही लिपस्टिक लगाएं, इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकेगी और आपका लुक भी बेहतरीन रहेगा।

टच-अप करें

दिनभर की गतिविधियों के दौरान आपकी लिपस्टिक फीकी पड़ सकती है, इसलिए समय-समय पर उसे ठीक करना जरूरी है। इसके लिए अपने बैग में हमेशा एक छोटी-सी लिपस्टिक या लिप बाम रखें और जब भी आपको लगे कि आपकी लिपस्टिक फीकी पड़ रही है तो उसे हल्के हाथों से दोबारा लगाएं। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाऊ बना सकती हैं और अपने लुक को बेहतरीन बना सकती हैं।

गर्मियों में दिखना है कूल और क्लासी तो समर कॉटन कुर्ती से पाएं कम्फर्टेबल लुक

फैशन

गर्मियों के मौसम में कंफर्टेबल और स्टाइलिश दिखना हो तो कॉटन कुर्ती से बेहतर कुछ नहीं है। लेकिन अक्सर ये समझ नहीं आता कि रोज वही एक जैसा लुक कैसे बदलें। आज हम आपके लिए कुछ बेहतरीन कुर्ती स्टाइलिंग हैक्स लाए हैं, जो आपको हर दिन एक नया और फ्रेश लुक देंगे। अपने समर लुक को बेहतर बनाने के लिए ये छोटे-छोटे कुर्ती स्टाइलिंग हैक्स जरूर आजमाएं।

जींस और कुर्ती का कॉम्बिनेशन : जींस और कुर्ती का कॉम्बिनेशन काफी एलिगेंट लगता है। एक फिटेड मैरून शॉर्ट कुर्ती के साथ डेनिम जींस आपको कंफर्टेबल और खूबसूरत लुक देगी। यह कॉलेज गोइंग गर्ल्स और ऑफिस जानें वाली महिलाओं के लिए ये आउटफिट बेस्ट है।

समर कुर्ती लुक : गर्मियों में हल्के रंग आंखों को बहुत सुकून देते हैं। फ्लोरल प्रिंट वाले सूट सेट गर्मियों के लिए एकदम सही होते हैं। इसके साथ कॉटन का दुपट्टा पेयर करना न भूलें, ये आपको धूप से भी बचाएगा। वाइट बेस पर पिंक या पेस्टल कलर्स आपको एक बेहतरीन समर कुर्ती लुक देते हैं।

लूस कुर्ती दिखने में ग्रेसफुल : अगर आपको टाइट कपड़े पहनना पसंद नहीं, तो गुलाबी अनारकली कुर्ती स्टाइल चुनें। यह दिखने में बहुत ग्रेसफुल लगता है और पहनने में बेहद कंफर्टेबल भी होता है। इसे आप ऑफिस मीटिंग्स या शॉपिंग के लिए चुन सकती हैं।

व्हाइट एम्ब्रॉयडरी वाली लॉन्ग कुर्ती : अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो व्हाइट एम्ब्रॉयडरी वाली लॉन्ग कुर्ती को बैगी जींस के साथ स्टाइल करें। यह लुक आजकल बहुत फैशन में है। इसमें आपकी हाइट भी लंबी लगेगी और आपका लुक बेहद ग्रेसफुल लगेगा।

शॉर्ट हाइट लड़कियां परफेक्ट कुर्ती पहनकर पाएं सिल्म और आकर्षक लुक

अगर आपकी हाइट भी छोटी है, तो कुर्ती चुनते समय सही डिजाइन, लंबाई और पैटर्न का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सही कुर्ती न सिर्फ आपको स्टाइलिश दिखती है, बल्कि इसमें आप लंबा भी महसूस करती हैं। अगर आप भी अपने लिए सही कुर्ती चुनने में गलती करती हैं, तो आज हम आपको कुर्ती आइडियाज के बारे में बताएंगे, जो छोटी हाइट वाली लड़कियों के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं। इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने लुक को और भी एलिगेंट दिखा सकती हैं।

मोनोक्रोम कुर्ता सेट : अगर आपकी हाइट छोटी है, तो आप मोनोक्रोम कुर्ता सेट को ट्राई कर सकती हैं। मोनोक्रोम आउटफिट का मतलब एक ही रंग का आउटफिट होता है। जब आप ऊपर से नीचे एक ही रंग के कपड़े पहनते हैं, तो

वर्टिकल स्ट्राइप्स कुर्ती

आप वर्टिकल स्ट्राइप्स कुर्ती को भी पहन सकती हैं। इस तरह की कुर्ती में लंबी धारियां बनी होती हैं। कुर्ती में ऊपर से नीचे की ओर बनी स्ट्राइप्स देखने वाले की नजर को भी ऊपर से नीचे की ओर ले जाती हैं और इससे आपकी हाइट ज्यादा लगती है।

हाई स्लिट कुर्ती : हाई स्लिट कुर्ती देखने में बेहद स्टाइलिश लगती है। जब आप इस तरह की कुर्ती को पहनती हैं, तो ये पैरों की लंबाई को और ज्यादा उभारती है। इस कुर्ती को पहनकर आप लंबी और स्लिम नजर आएंगी।

वी-नेक कुर्ती : आजकल वी-नेक कुर्ती का काफी ट्रेंड है, इसलिए आप वी-नेक कुर्ते को पहन सकती हैं। इस कुर्ती की खास बात ये है कि आपके बॉडी के ऊपरी हिस्से और गले को लंबा दिखाती है।

समर फैशन के लिए बेस्ट हैं कॉटन आउटफिट ऑफिस-कॉलेज हर जगह लगेंगे बेहतरीन

गर्मी का मौसम आते ही लोग अपने स्टाइल पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। खासकर लड़कियां खुद को एलिगेंट और खूबसूरत दिखाने के लिए अलग-अलग लुक कैरी करती हैं। बहुत ज्यादा गर्मी की वजह से काफी मोटे और हैवी कपड़े नहीं पहने जाते हैं। धूप, पसीना और गर्मी में हल्का और पतला कपड़ा पहना जाए। खासकर ऐसे कपड़े जिसमें पसीना कम आए और शरीर को थोड़ी राहत मिले।

साइड स्लिट कुर्ता सेट : साइड स्लिट कुर्ता सेट देखने में काफी ट्रेंडी और यूनिक लगते हैं। ये पहनने में काफी कंफर्टेबल होते हैं। आप कॉटन के कुछ इस तरह के सूट स्टिच करा सकती हैं, जो ऑफिस और कॉलेज के लिए परफेक्ट होते हैं।

बैलून स्लीव्स कुर्ता सेट : बैलून

स्लीव्स वाला को ऑर्ड कुर्ता सेट भी डेली वियर के लिए परफेक्ट रहेगा। खासकर जब आप किसी फंक्शन या फॉर्मल ऑकेजन में जा रही हैं, तो ये सेट आपके लुक पर चार-चांद लगा देगा। ये फैंसी स्लीव्स वाला कुर्ता सेट में आपको गर्मी का अहसास नहीं होगा। इनका ढीला फिट पहनने के लिए भी बेस्ट है।

ए लाइन कुर्ता सेट : इस गर्मी आप भी समर्स के लिए हल्के और कॉटन के कपड़ों की तलाश कर रहे हैं, तो आप ए लाइन कुर्ता सेट ट्राई कर सकती हैं। ये देखने में काफी स्टाइलिश और कंफर्टेबल लगते हैं। ये लूज फिट का होता है इसलिए आप इसे रोज भी पहन सकती हैं। डेली वियर में पहनने के लिए ये एकदम परफेक्ट चॉइस है।

स्लीवलेस कुर्ता कराएं स्टिच : समर्स के लिए स्लीवलेस कुर्ते एकदम परफेक्ट ऑप्शन होते हैं। ये देखने में काफी मॉडर्न और पहनने में कंफर्टेबल लगते हैं। ऐसे में आप समर्स के लिए इस तरह का सिंपल स्लीवलेस कॉटन कुर्ता सेट चुन सकती हैं।

कार्नर न्यूज

त्वचा को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें देना जरूरी है

डाइट में शामिल करें ऐसे पेय पदार्थ जो त्वचा को निखारने में कर सकते हैं मदद

त्वचा के लिए पोषण बहुत जरूरी है। इसके लिए त्वचा को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें देना जरूरी है। इसके लिए रोजाना सुबह और शाम के समय कुछ पेय का सेवन करना लाभदायक हो सकता है। यह न केवल आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखेंगे, बल्कि इसे चमकदार भी बनाएंगे। इसके अतिरिक्त ये त्वचा को पोषक तत्व भी प्रदान करेंगे। आइए आज हम आपको ऐसे पेय के बारे में बताते हैं, जो त्वचा को निखारने में मदद कर सकते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी का सेवन करने से त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है। यह एक प्राकृतिक पेय है, जो विटामिन-C, पोटेशियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। इसमें कम कैलोरी होती हैं और यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स का अच्छा स्रोत होता है। नारियल पानी पीने से त्वचा की चमक बढ़ती है और यह त्वचा को पोषण देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा यह त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकता है।

नींबू पानी

नींबू पानी विटामिन-सी का एक बेहतरीन स्रोत है, जो त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होता है। नींबू पानी पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं और त्वचा की चमक बढ़ती है। इसके अलावा नींबू पानी पीने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और त्वचा को पोषण देने में मदद मिलती है। नींबू पानी नियमित रूप से पीने से त्वचा को निखारने में मदद मिल सकती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकते हैं। इसमें कैफीन कम होता है और यह प्राकृतिक रूप से तैयार की जाती है। ग्रीन टी पीने से त्वचा को साफ करने में मदद मिलती है और यह त्वचा को ताजगी भी प्रदान कर सकती है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकते हैं।

एलोवेरा का रस

एलोवेरा का रस सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-ई होते हैं, जो त्वचा को पोषण देते हैं और इसे मुलायम बनाते हैं। एलोवेरा का रस पीने से त्वचा की नमी बनी रहती है और यह हाइड्रेट रहती है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व त्वचा को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं और इसे स्वस्थ रखते हैं।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है, जिससे त्वचा पर मुंहासे कम होते हैं। इसमें मौजूद तत्व त्वचा को ठंडक पहुंचाते हैं और इसे ताजगी देते हैं। पुदीने की चाय पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और त्वचा की चमक बढ़ती है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व त्वचा को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं और इसे स्वस्थ रखते हैं।